शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 06 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राजौरी : सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने को किया ध्वस्त पेज 2
बीटीसी सरकार ने बक्सा जिले में सुरक्षित शिक्षा के लिए प्रमुख पहलों का ... पेज 3
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 5 साल में 1.11 लाख करोड़ का ऋण उपलब्ध... पेज 5
श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम अगस्त में सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगी आयरलैंड का दौरा पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो दूसरों की भलाई करता है, वह अपनी भलाई अपने-आप कर लेता है। भलाई फल में नहीं, अपितु कर्म करने में ही है; क्योंकि शुभ कर्म करने का भाव ही अच्छा पुरस्कार है।

-सेनेका

सीएम ने अमृत वृक्ष आंदोलन की शुरुआत की

राज्य सरकार का लक्ष्य 30 मिलियन पेड़ पौधे लगाना है

पिछले वर्ष लगाए गए 95 प्रतिशत पौधे जीवित हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज दिसपुर में मंत्रियों के आवास परिसर के बगीचे में अशोक वृक्ष का पौधा लगाकर आधिकारिक तौर पर अमृत वृक्ष आंदोलन 2.0 की शुरुआत की। राज्य सरकार ने पिछले साल इस उद्देश्य से अमृत वृक्ष आंदोलन शुरू किया था। हरित अर्थव्यवस्था और कृषि वानिकी क्षेत्र को विकसित करने का लक्ष्य राज्य के सभी कोनों में पेड़ लगाना है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मीडिया से कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसकी मां से बेहतर कोई नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर *एक पर मां के नाम* अभियान की शुरुआत की और देश और दुनिया भर के प्रत्येक व्यक्ति से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित होकर, राज्य सरकार ने बच्चों को जन्म देने वाली मां के दर्द और उत्साह और बच्चों के पालन-पोषण के अनुभव को साझा करने के लिए इस वर्ष के अमृत वृक्ष आंदोलन को *एजुपी गछ मारं नामोत* थीम के साथ अपनाया है। कुल मिलाकर, एक व्यक्ति मातृ प्रेम से एक पौधा उगा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग ने इस साल अपनी नर्सरियों में 30 मिलियन पेड़ तैयार किए हैं और अगर इन पेड़ों को राज्य के सभी कोनों में लगाने की योजना सफल रही, तो यह अभियान असम के पर्यावरण संरक्षण में एक बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वृक्षारोपण के बाद, पहल की तस्वीरें अमृत वृक्ष आंदोलन पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी ताकि अभियान के दौरान लगाए गए पेड़ों की कुल संख्या की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल अमृत -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए डिजिटल कक्षाओं को बढ़ावा देगी सरकार : पेगू

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने गुरुवार को स्कूलों में पारंपरिक शारीरिक शिक्षण के साथ डिजिटल कक्षाओं को एकीकृत करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाना, सीखने के अनुभवों को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि छात्र व्यक्तिगत और ऑनलाइन दोनों शैक्षिक संसाधनों से लाभान्वित हों। सरकार असम में सभी छात्रों को अधिक व्यापक और सुलभ शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और स्मार्ट कक्षाओं का लाभ उठाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की डिजिटल -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में मिली नई प्रजाति की मछली

शिलांग। वैज्ञानिकों के एक समूह ने बांग्लादेश सीमा के पास मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में लोच की एक नई प्रजाति की पहचान की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। लोच मीठे पानी की तलहटी में रहने वाली मछली है और दक्षिण पूर्व एशिया में नदियों के पार पाई जाती -शेष पृष्ठ दो पर

हेमंत सरकार पर असम के सीएम का बड़ा आरोप, कहा-

मुझे पाकुड़ के गोपीनाथपुर गांव जाने से रोका गया

रांची। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इसी बीच उनकी तरफ से गुरुवार को आरोप लगाया कि झारखंड सरकार ने उन्हें पाकुड़ जिले के गोपीनाथपुर गांव जाने से रोका। भाजपा के एक विधायक के अनुसार, उनका इरादा गोपीनाथपुर जाने का था, जहां मुहर्रम के आसपास दो समूहों के बीच झड़प हुई थी। वहीं पाकुड़ जाते समय दुमका जिले के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पूर्वोत्तर भारत में 123 साल में दूसरा सबसे गर्म रहा जुलाई का महीना

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व-पूर्वोत्तर भारत में 123 साल में दूसरा सबसे गर्म जुलाई रहा है। भारत मौसम विभाग के अनुसार साल 2024 का जुलाई का महीना 1901 के बाद दूसरा सबसे गर्म दर्ज किया गया है। इस दौरान जून में औसत अधिकतम तापमान 32.44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया -शेष पृष्ठ दो पर

केदारनाथ में सुरक्षित निकले 1500 से अधिक यात्री, रोकी गई यात्रा

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर फंसे तीर्थ यात्रियों को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, जिला पुलिस और जिला प्रशासन के बेहतर समन्वय से सुरक्षित निकाल लिया गया है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भीमबली, रामबाड़ा, लिंचोली में फंसे करीब 425 यात्रियों -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में आकाशीय बिजली से 13 लोगों की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में बरसात के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई। औरंगाबाद में चार, जहानाबाद में तीन, सारण में तीन, नालंदा में दो और जमुई में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मृतकों में औरंगाबाद जिले की तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। साथ ही जिले के कुछ लोग गंभीर रूप से भी घायल हुए हैं। उनका इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान बारूण थाना क्षेत्र के छक्कन बिगहा गांव निवासी राम अवतार सिंह की पत्नी सोनहल देवी (60), रेड़िया गांव निवासी विनय पाल की पत्नी जैतरी देवी, मदनपुर थाना क्षेत्र के पिरवां गांव निवासी राजगीर महतों के पुत्र महेश प्रसाद (40) तथा टंडवा -शेष पृष्ठ दो पर

अब एससी-एसटी के रिजर्वेशन में बन सकेगी सब-कैटेगरी

कोटा के अंदर कोटा को एससी की मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कोटा के अंदर कोटा को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के 7 न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि अब अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण, अनुसूचित जाति श्रेणियों के भीतर अधिक पिछड़े लोगों के लिए अलग से कोटा प्रदान करना स्वीकार्य होगा। कोर्ट ने कहा कि अब राज्य सरकार पिछड़े लोगों में भी अधिक जरूरतमंदों को फायदा देने के लिए सब कैटेगरी बना सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि उप-वर्गीकरण (सब कैटेगरी) की अनुमति देते समय राज्य किसी उप-श्रेणी के लिए 100 फीसद आरक्षण निर्धारित नहीं कर सकता। साथ ही, राज्य को उप-श्रेणी के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण को उचित ठहराना होगा। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 6 राय हैं। जस्टिस बेला त्रिवेदी ने असहमति जताई है। सीजेआई ने कहा कि हममें से अधिकांश ने ईवी चिन्नैया के फैसले को खारिज कर दिया है और हम मानते हैं कि उप-वर्गीकरण स्वीकार्य है। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 6:1 बहुमत से माना कि आरक्षित वर्गों यानी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का उप-वर्गीकरण स्वीकार्य है। सीजेआई ने अपने फैसले में ऐतिहासिक साक्ष्यों का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित जातियां -शेष पृष्ठ दो पर

शांति वार्ता की जमीन तैयार, शीघ्र करेंगे घोषणा : बीरेन सिंह

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि उनकी सरकार शांति बहाली के लिए कठिन परिश्रम कर रही है। मुख्यमंत्री गुरुवार को मणिपुर विधानसभा के अधिवेशन के दौरान सदन में विपक्षी सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मणिपुर के विभिन्न गुटों के साथ शांति वार्ता का आधार तैयार किया जा चुका है। इस सिलसिले में असम के सिलचर में कई बैठकें की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विधायकों और अन्य सदस्यों की सहायता से शांति वार्ता के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। सिलचर में कई बैठकें हुई हैं। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। उन्होंने जारी हिंसा को अप्रत्याशित करार देते हुए कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था की गंभीर स्थिति के सिलसिले में गिरफ्तारी तथा अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीसीसीआई और साई को *तंबाकू* और *गुटखे* के विज्ञापन को बंद करने की दी सलाह

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में खेले जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय और आईपीएल मैचों के दौरान अक्सर दिखाए जाने वाले *तंबाकू* और *गुटखे* के विज्ञापन को बंद किया जा सकता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीसीसीआई और भारतीय खेल प्राधिकरण(एसएआई) को चिट्ठी लिख कर तंबाकू और गुटखे के विज्ञापन को बंद करने की सलाह दी है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) अतुल गोयल ने बीसीसीआई के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी और साई के महानिदेशक संदीप प्रधान को पत्र लिखकर किसी भी रूप में तंबाकू विज्ञापन दिखाने से रोकना का आग्रह किया है। इसके साथ डीजीएचएस ने उन विज्ञापनों को बंद भी कराने पर ज्यादा जोर दिया है जिसे किसी खिलाड़ी सेलिब्रिटी ने प्रमोट किया हो। पत्र में लिखा गया है कि क्रिकेट मैच युवाओं के बीच काफी मशहूर हैं। खिलाड़ी समाज के लिए रोल मॉडल होते हैं, खासकर युवाओं के लिए, जो स्वस्थ, -शेष पृष्ठ दो पर

शिमला में बादल फटने से तबाही, दो शव मिले व 36 लापता

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर उपमंडल के झाकड़ी इलाके में कुदरत का कहर देखने को मिला है। समेज और कंदराहड़ में गुरुवार तड़के बादल फटने के बाद आए सैलाब ने इलाके में तबाही मचा दी। सैलाब में कई परिवार व हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के सात कर्मचारी सहित 36 लोग लापता हैं। प्रशासन ने व्यापक स्तर पर राहत व बचाव कार्य चला रहा है। राहत व बचाव दलों ने अब तक दो शव बरामद किए -शेष पृष्ठ दो पर

नई योजना : सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को मिलेगा मुफ्त उपचार

लोस में गडकरी ने दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए एक योजना लागू की है। मंत्री ने गुरुवार को संसद को बताया कि परिवहन मंत्रालय ने एक योजना विकसित की है और चंडीगढ़ तथा असम में पायलट आधार पर इसे लागू करना शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को नकद रहित उपचार उपलब्ध कराना है। मंत्री ने बताया कि इस योजना में मोटर वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में शामिल व्यक्तियों के उपचार को शामिल किया गया है। मंत्रालय इस कार्यक्रम को -शेष पृष्ठ दो पर

वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू ने मुलाकात के दौरान कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने कहा कि हमारे संबंध घनिष्ठ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड में मृतकों की संख्या दो सौ पार, राज्यपाल बोले- अभी तबाही का अंदाजा नहीं

वायनाड। वायनाड में लगातार राहत एवं बचाव कार्य जारी है। सेना और आपदा प्रबंधन दलों द्वारा लगातार फंसे हुए लोगों को एवं शवों को बाहर निकाला जा रहा है। एनडीआरएफ के डीआइजी मोहसिन शाहिदी ने बताया कि वायनाड में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या गुरुवार को 200 से पार हो गई। डीआईजी का कहना है कि अभी और शव बरामद किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए प्रभावित स्थलों पर केंद्रीय बलों की पर्याप्त टीमें मौजूद हैं। केरल राजस्व विभाग के अनुसार, 30 जुलाई के शुरुआती घंटों में वायनाड के मुंडक्कई और चुरालमाला में दो बड़े भूस्खलन हुए, जिससे व्यापक विनाश हुआ, कई लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। एनडीआरएफ के डीआईजी ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक मौतें हुई हैं। शव बरामद किए जा रहे हैं और 200 से अधिक लोग घायल हैं। पहले दिन, 150 लोगों को बचाया गया था और हम अभी भी खोज और बचाव -शेष पृष्ठ दो पर

पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, कहा-

ऐसा मुझे मेरे पिता के निधन पर हुआ था महसूस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई तबाही को देखना दुखद है। गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वह वही भावनाएं महसूस कर रहे हैं जो उन्हें तब महसूस हुई थीं जब उनके पिता, पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की 1991 में मृत्यु हो गई थी। राहुल ने कहा कि यह वायनाड, -शेष पृष्ठ दो पर

चार भारतीय टीवी चैनल ने नेपाल में बंद किया प्रसारण

काठमांडू (हि.स.)। भारत के चार टीवी चैनल समूहों ने पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण नेपाल में अपने-अपने चैनलों का प्रसारण गुरुवार से रोक दिय। इन चार टीवी चैनल समूहों में जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स हैं। नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। आज शाम को चैनल डिस्ट्रीब्यूटरों और नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। ठाकुर के मुताबिक नेपाली दर्शकों के लिए गुरुवार से जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स से जुड़े सभी चैनलों का प्रसारण रोक दिया गया है। नेपाल में इन चैनलों के प्रसारण का अधिकार खरीदने वाली वितरक कंपनी ने पिछले तीन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राजौरी : सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने को किया ध्वस्त

राजौरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कालाकोट के जंगली इलाके में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने का पता लगाकर उसे ध्वस्त कर दिया किया है। यह आतंकी ठिकाना प्रकृतिक गुफा के भीतर बनाया गया था। ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात सुरक्षा बलों को गुलाबगढ़ में कुछ संदिग्धों के घूमने की सूचना मिली। इसके बाद सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। गुरुवार सुबह तलाशी अभियान के दौरान जंगल में आतंकवादियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे एक ठिकाने को ढूंढ निकाला गया। आतंकी ठिकाने की तलाशी लेने पर मौके से सुरक्षाबलों ने एक एके47 राइफल, दो मैगजीन, एक पिस्तौल के साथ मैगजीन, दो हैंड ग्रेनेड, तीन विस्फोटक पैकेट और अन्य गोला-बारूद बरामद किया। साथ ही एक बैग, कुछ खाने-पीने का सामान और सिगरेट के पैकेट भी मिले। रक्षा सूत्रों के अनुसार भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान बरामद होने से यह साफ होता है कि इलाके में आतंकी मौजूद थे। हालांकि सुरक्षाबलों की मौजूदगी और सर्च ऑपरेशन को देखते हुए आतंकी ठिकाना छोड़ भाग निकले। जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है और आतंकियो की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है।

बिलासीपारा में गौरांग नदी में छात्र लापता

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा में गौरांग नदी में कूदने के बाद एक छात्र लापता हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि छात्र ने बुधवार की रात बनियापारा स्थित गौरांग नदी के पुल के ऊपर से छलांग लगा दी। छात्र की पहचान इंद्रनील राय (17, टोकराबांधा) के रूप में हुई है। इंद्रनील राय बिलासीपाड़ा शंकरदेव शिशु एवं विद्या निकेतन का ग्यारहवीं कक्षा का छात्र था। गुरुवार की सुबह से ही बिलासीपाड़ा पुलिस टीम के साथ एसडीआरएफ बलों की एक टीम द्वारा युवक की तलाश में नदी में अभियान चलाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक उसका कोई पता नहीं चला है।

मंगलदै में हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दरंग जिला मुख्यालय मंगलदै में एक तस्कर को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मंगलदै पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर शहर के वार्ड नंबर 2 से इंताज अली नामक ड्रग तस्कर को पकड़ा। जानकारी के मुताबिक इंताज लंबे समय से ड्रग रैकेट चला रहा था। पुलिस ने तस्कर के पास से हेरोइन से भरी 25 शीशियां, एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

तालाब में डूब कर महिला की मौत

जोरहाट (हिंस)। जिले के चिंतामणिगढ़ के जेलेंगीटोप में एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आज सुबह स्थानीय लोगों ने तालाब में एक शव देखा। लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला की पहचान रेखा गोगोई के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि तालाब में गिरने से महिला की डूब कर मौत हुई होगी।

RECRUITMENT NOTICE
ASSAM ENGINEERING SERVICE RECRUITMENT BOARD
No. AESRB/42/2023/579

Publication of lists of short-listed candidates for Teaching Proficiency Test (TPT) for recruitment into various vacant posts in the Government Engineering Colleges and Polytechnics in Assam

Subsequent to the judgement passed by the Hon'ble Gauhati High Court vide WP(C)/3048/2023 dated 02-07-2024, the Assam Engineering Service Recruitment Board is pleased to declare the lists of shortlisted candidates who had appeared in the OMR-MCQ based Written Tests in domain knowledge for recruitment as Assistant Professor (Technical & Non-Technical), Lecturer (Technical & Non-Technical) in the Government Engineering Colleges and Polytechnics of Assam, held against advertisement nos. **AESRB-01/2023, AESRB-02/2023, AESRB-03/2023, and AESRB-04/2023.**

The lists of shortlisted candidates are available in the official website of AESRB (www.aesrb.in).

The Shortlisted candidates shall have to appear in the Teaching Proficiency Test (TPT), the schedule of which shall be made available in the official website of AESRB: www.aesrb.in shortly.

Sd/-
Secretary
Assam Engineering Service Recruitment Board
Assam Textile Institute Campus, Ambari,Guwahati-01

-- Janasanyog /D/3429/24/2-Aug-24

तीन साल से एक जगह तैनात अधिकारियों के होंगे तबादले

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर तीन साल से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों व कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से बदलने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गुरुवार को हरियाणा के मुख्य सचिव ने इस संबंध में सभी विभाग निदेशकों तथा अतिरिक्त मुख्य सचिवों से रिपोर्ट मांगी है। निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव से कहा है कि बीस अगस्त तक सभी के तबादले करके रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए। आयोग के अनुसार हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर तक है। प्रदेश में इससे पहले-पहले चुनाव प्रक्रिया संपन्न होनी है, जिसके चलते चुनाव कार्य से जुड़े अफसरों को उनके गृह जिले में तैनात नहीं किया जाएगा। वहीं पिछले चार सालों के दौरान कोई अधिकारी 31 अक्तूबर तक तीन साल का कार्यकाल एक स्थान पर पूरा कर रहा है तो उसे भी बदला जाएगा।

जयपुर में बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने और छत गिरने से तीन लोगों की डूबने से मौत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में जयपुर शहर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की मध्यरात्रि को हुई भारी बारिश के कारण सड़क किनारे बने बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने और छत गिरने से तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस की टीम ने बेसमेंट से पानी को बाहर निकालने के लिए पंप लगाया लेकिन तब तक तीनों की बारिश के पानी में डूबने से मौत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में तीन व्यक्तियों की मृत्यु पर शोक प्रकट करते हुए प्रत्येक के आश्रित को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता जारी की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि विश्वकर्मा थाना इलाके के रोड नंबर-7 ब्रज नगर में बुधवार-गुरुवार की मध्यरात्रि को हुई भारी वर्षा के कारण सड़क किनारे बने बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने से पूर्वी (8), पूजा (19) और कमल (23) की मौत हो गई। तीनों बिहार के आरा के रहने वाले थे। मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस और स्टेट डिजास्टर रेस्क्यू फोर्स (एसडीआरएफ) की टीम ने छह घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे तीनों के शवों को बाहर निकाला। वहीं काफी मशक्कत के बाद एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने अमृत वृक्ष ...

वृक्ष आंदोलन के दौरान लगाए गए 95 प्रतिशत पेड़ जीवित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमृत वृक्ष आंदोलन 2.0 15 अगस्त तक चलेगा, लेकिन जिलों की जरूरतों के मुताबिक अभियान को 20 अगस्त तक बढ़ाया जाएगा. मुख्यमंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि लोगों के सहयोग से अमृत वृक्ष आंदोलन पिछले साल की तरह इस साल भी सफल होगा। उद्घाटन समारोह में वन एवं पर्यावरण मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, विशेष मुख्य सचिव (वन) एमके यादव, विशेष मुख्य सचिव (पर्यावरण एवं वन) रविशंकर प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल मुरी आरपी सिंह, कई शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल छोड़ने की दर...

उपस्थिति प्रणाली का उपयोग स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए किया जाएगा। एक महीने तक चली गर्मी की छुट्टियों के बाद गुरुवार को असम के स्कूल फिर से खुल गए। पेगू ने कम से कम 7,779 स्कूलों के शिक्षकों के साथ वर्चुअल तरीके से बातचीत की। उन्होंने कहा कि चूंकि इस साल का शैक्षणिक सत्र एक महीने के अंतराल के बाद फिर से शुरू हुआ है, इसलिए मैंने शिक्षकों को वर्चुअल तरीके से संबोधित किया। मैं उन्हें आने वाले दिनों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मंत्री ने उल्लेख किया कि शिक्षा विभाग स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने डिजिटल मोड के माध्यम से शिक्षण प्रदान करने पर जोर देने का फैसला किया है। असम के अधिकांश स्कूल स्मार्ट कक्षाओं के साथ-साथ निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस हैं। इस बीच, पेगु ने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्कूल छोड़ने वालों की दर को कम करने पर विचार कर रही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमने स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के लिए एक डिजिटल उपस्थिति प्रणाली स्थापित की है। छात्रों की उपस्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। एक बार उपस्थिति बढ़ाई जा सकेगी, तो स्कूल छोड़ने वालों की दर अपने आप कम हो जाएगी।

मेघालय में मिली...

है। वैज्ञानिकों ने बताया कि शिस्टुरा सोनारेंगेंसिस नामक प्रजाति की खोज जिले में सोनारेंगा, नाकामा और चियाबोल गुफाओं में की गई है। लखनऊ स्थित आईसीएआर (राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो) द्वारा वित्त पोषित इस खोज का नेतृत्व लेडी कीन कॉलेज की प्राचार्य डॉ. खलूर मुखिम, गुवाहाटी विश्वविद्यालय की एक टीम तथा अन्य लोगों ने किया। यह शोध पत्र बुधवार को आधिकारिक रूप से ब्रिटिश द्वीप समूह की फिशरीज सोसायटी के मछली जीवविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, विली-ब्लैकवेल द्वारा प्रकाशित किया गया। विली-ब्लैकवेल ने अपने प्रकाशन में कहा कि भारत के मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में तीन गुफा-निवासी आबादी (बराक-सूरमा-मेघना जल निकासी) से नेमाचेलिड लोच की एक नई प्रजाति है। इसमें कहा गया है कि यह प्रजाति अपनी प्रमुख आंखों और एक धूसर-काले मध्य-पार्श्व पट्टी पर 13-26 लंबवत लम्बी से गोलाकार काले धब्बों से पहचानी जाती है, जो एक फीके सफेद या हल्के-बेज रंग के शरीर पर होती है। मुखिम ने बताया कि गुफाओं में रहने वाली ये मछलियां कुछ हद तक पीली होती हैं, लेकिन जैंतिया और खासी हिल्स में पाई जाने वाली अन्य गुफाओं की प्रजातियों की तरह ये अंधी नहीं होती हैं। मुखिम ने बताया कि नई प्रजाति में प्रमुख आंखें हैं और यह बराक-सूरमा-मेघना और पूर्वोत्तर भारत के आस-पास की नदियों में पाई जाने वाली अन्य शिस्टुरा प्रजातियों से अलग है, सिवाय शिस्टुरा सिंगकाई के।

मुझे पाकुड़ के ...

फूलो झानो चौक पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि झारखंड सरकार ने मुझे गोपीनाथपुर जाने से रोक दिया है। अगर कोई मुख्यमंत्री वहां नहीं जा सकता, तो आम लोगों की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा पाकुड़ में केकेएम कॉलेज भी जाएंगे, जहां 26 जुलाई की रात को आदिवासी छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी, जिसमें छह पुलिसकर्मियों समेत 15 लोग घायल हो गए थे। इसके अलावा, वह उन क्षेत्रों का निरीक्षण करने की योजना बना रहे हैं, जहां कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठियों ने जिले में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लिया है। असम के मुख्यमंत्री की तरफ से लगाए गए आरोपों को झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने उठाया और कहा कि असम के सीएम को गोपीनाथपुर जाने से रोका गया।

बिहार में आकाशीय...

थाना क्षेत्र के खजूरी महेश गांव निवासी रामदहीन पासवान की पत्नी इंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई है। जहानाबाद के टेहटा थाना क्षेत्र के सरेन गांव में बारिश के साथ आसमानी आफत कहर बनकर टूटी। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन किशोरों की मौत हो गई। मृतकों में 12 वर्षीय गोपाल मांझी, 14 साल का पवन कुमार, 15 साल का चंदन दास शामिल है। बताया गया है कि तीनों बुधवार शाम पांच बजे गांव से दूर खेत में गए थे, अचानक तेज बारिश होने लगी जिससे बचने के लिए सभी बच्चे पेड़ के नीचे चले गए। तभी अचानक बिजली गिर गई, जिसमें तीनों झुलस गए। यह देखकर घर-परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के लोग दौड़ पड़े। आनन-फानन में ग्रामीणों ने तीनों को रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सारण जिले के मांझी प्रखंड क्षेत्र के नरवन गांव में बुधवार शाम आकाशीय बिजली के गिरने से एक पशुपालक की मौत हो गई। बताया गया है कि नरवन गांव के निवासी व पशुपालक ललन यादव (48 वर्ष) अपने गांव के चंवर में मवेशी चरा रहे थे। इस दौरान बारिश शुरू हुई और आकाशीय बिजली गिरने से ललन यादव उसकी चपेट में आ गए। नगरा प्रखंड क्षेत्र के रामपुर कला गांव के पास वज्रपात की चपेट में आकर 16 वर्षीय मिथलेश राय की भी मौत हो गई। इसी जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के कसीना गांव में 14 वर्षीय अंकित कुमार की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना में तीन अन्य झुलस गए। इन दोनों प्राकृतिक आपदा पर सीएम नीतीश कुमार ने गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि वज्रपात से आज गया जिला में 5 एवं नालंदा जिला में 2 लोगों की मौत से मर्माहत हूं। सीएम ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रुपये क अनुदान देने का निर्देश दिया है। उन्होंने गया जिले के बेला में वज्रपात से घायल व्यक्तियों के समुचित इलाज कराने का निर्देश दिया है तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

कोटा के अंदर कोटा...

एक समरूप वर्ग नहीं हैं। उप-वर्गीकरण संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता है और न ही संविधान के अनुच्छेद 341(2) का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 15 और 16 में ऐसा कुछ भी नहीं है जो राज्य को किसी जाति को उप-वर्गीकृत करने से रोकता हो। जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं, जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा कि राज्य को अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग में क्रीमी लेयर की पहचान करने तथा उन्हें सकारात्मक आरक्षण के दायरे से बाहर करने के लिए नीति बनानी चाहिए। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने असहमतिपूर्ण निर्णय में कहा कि वह बहुमत के निर्णय से असहमत हैं। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने असहमतिपूर्ण निर्णय में कहा कि कार्यपालिका या विधायी शक्ति के अभाव में राज्यों के पास जातियों को उपवर्गीकृत करने की कोई क्षमता नहीं है। सीजेआई ने कहा कि सबसे निचले स्तर पर भी वर्ग के लोगों के साथ संघर्ष उनके प्रतिनिधित्व के साथ खत्म नहीं होता है। सीजेआई ने कहा कि चिन्नैया के 2004 के फैसले को खारिज किया जाता है कि अनुसूचित वर्गों का उप-वर्गीकरण अस्वीकार्य है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बीसीसीआई ...

सक्रिय और उत्पादक जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं और यह देखना निराशाजनक है कि उनमें से कुछ लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तंबाकू और संबंधित उत्पादों को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें सरोगेट धुआं रहित तंबाकू के विज्ञापन क्रिकेट मैचों के दौरान प्रदर्शित किए जा रहे हैं और सेलिब्रिटी का समर्थन मिल रहा है । इसलिए स्वास्थ्य मंत्रालय चाहता है कि खेल संस्थाएं भी तंबाकू के सेवन के खिलाफ आगे आएं और इसे रोकने के लिए कदम उठाएं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने दिए गए सुझावों में कहा है कि खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों द्वारा तंबाकू और संबंधित उत्पादों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष (सरोगेट) विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन को रोकने के लिए सकारात्मक उपाय कर सकता है। इसके साथ तंबाकू विरोधी रुचि घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना, एसएआई द्वारा आयोजित या भागीदारी वाले स्टेडियमों या कार्यक्रमों में प्रचार/विज्ञापन न करना, एसएआई के दायरे में आने वाले खिलाड़ियों को तंबाकू और संबंधित उत्पादों के प्रचार/भागीदारी/विज्ञापन को प्रतिबंधित करने के लिए निर्देश जारी करने का भी सुझाव दिया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक तंबाकू का उपयोग गैर-संचारी रोगों जैसे हृदय रोग, कैंसर, क्रोनिक फेफड़ों की बीमारी और मधुमेह के लिए खतरनाक है। दुनिया भर में तंबाकू से संबंधित मौतों में भारत दूसरे स्थान पर है, जहां हर साल लगभग 13.5 लाख रोके जा सकने वाली मौतें दर्ज की जाती हैं। इसके अलावा, तंबाकू से संबंधित कैंसर भारत में सभी कैंसर का 33 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें पुरुषों में लगभग 50 प्रतिशत कैंसर और महिलाओं में 17 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण होते हैं। सर्वेक्षणों से पता चला है कि भारत में तंबाकू सेवन की शुरुआत की उम्र सात साल से भी कम है। उल्लेखनीय है कि तंबाकू नियंत्रण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए, भारत सरकार ने 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया था जिसका उद्देश्य तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना, तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को कम करना, सीओटीपीए 2003 और पीईसीए 2019 के तहत प्रावधानों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना, लोगों को तंबाकू का उपयोग छोड़ने में मदद करना, और डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑफ तंबाकू नियंत्रण द्वारा वकालत की गई तंबाकू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रणनीतियों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना था।

शिमला में बादल फटने ...

हैं। सैलाब से समेज सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। लोगों को संभलने का भी मौका नहीं मिला और वे घरों सहित बह गए। झकझोर कर रख देने वाले इस कुदरती आपदा में अपने मासूम बच्चों सहित कई माताएं बह गईं। बादल फटने की घटना का असर रामपुर में झारखंड के चार लोग रामपुर के कंदराहड़ के खुश्वा क्षेत्र के आठ लोग भी लापता हैं। समेज में मजदूरी करने वाली झारखंड निवासी ममता पत्नी राज कुमार और उनकी मासूम बेटी मुस्कान, रूपनी देवी पत्नी भोला नाथ और उनकी बेटी अंजलि हादसे के बाद लापता हैं। रामपुर के कुशवा बाइफ्रिकेशन के पास कंदराहड़ में सैलाब के बाद आठ लोगों का कोई पता नहीं चल पाया है। इनमें कई परिवार शामिल हैं। इनमें कंदराहड़ निवासी 58 वर्षीय सूरत राम, उनकी पत्नी 54 वर्षीय संतोष कुमारी और बेटा 30 वर्षीय नीरज कुमार शामिल हैं। इसी गांव की रचना (23) पत्नी राजेश कुमार भी लापता है। वहीं अनीता (40) पत्नी अशोक कुमार और उनकी बेटी योग (11) प्रिया पुत्री अशोक और उनके बेटे मुकेश (19) का भी अब तक सुराग नहीं मिला है। कुल्लू जिला के निरमंड का 55 वर्षीय वेद राज पुत्र कौल राम गांव भी लापता है। सैलाब ने भारतीय अक्षय ऊर्जा कंपनी ग्रीनको के 14 मेगावाट के सुमेज जलविद्युत संयंत्र को भी जद में लिया है।

नई योजना : सड़क ...

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सहयोग से लागू कर रहा है। मंत्री ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा, इस योजना के तहत, पात्र पीड़ितों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना की तारीख से 7 दिनों की अधिकतम अवधि के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक के आघात और बहु-आघात देखभाल से संबंधित स्वास्थ्य लाभ पैकेज दिए जाते हैं। यह योजना मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 164बी के तहत स्थापित मोटर वाहन दुर्घटना निधि के तत्वावधान में संचालित की जा रही है। आय के स्रोत और निधियों के उपयोग का विवरण केंद्रीय मोटर वाहन (मोटर वाहन दुर्घटना निधि) नियम, 2022 में दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एनएचए, स्थानीय पुलिस, सूचीबद्ध अस्पतालों, राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और सामान्य बीमा परिषद के साथ समन्वय करके कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। मंत्री गडकरी ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अनुसार, कैशलेस उपचार के लिए पायलट कार्यक्रम मोटर वाहनों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को सहायता प्रदान करता है, चाहे दुर्घटना कहीं भी हुई हो। इस योजना से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

शांति वार्ता की जमीन ...

सख्त कदम उठाने के नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ मुद्दों का राजनीतिकरण किया जा रहा है, जिससे स्थिति जटिल हो रही है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व ऐसे हैं, जो कुछ मुद्दों का राजनीतिकरण कर रहे हैं, जिन्हें अभी तुरंत नहीं संभाला जा सकता। मैं सभी से ऐसी गतिविधियों में शामिल न होने की अपील करता हूं। कांग्रेस विधायक रंजीत सिंह द्वारा 38 हजार से अधिक जवानों की राज्य में मौजूदगी के बावजूद हिंसा जारी रहने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा जांच की जा रही है। जांच के निष्कर्षों से पता चलेगा कि हिंसा किन खामियों की वजह से हो रही है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। कांग्रेस विधायक सूरजकुमार ओकराम के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक हिंसा में 226 लोग मारे जा चुके हैं। भीड़ जैसी स्थिति के कारण कुछ मामलों में दोषियों को गिरफ्तार करने में देरी हुई है। सुरक्षा बलों को समूहों द्वारा बाधित करने के भी अनेक मामले सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की स्थिति को बातचीत के जरिए ही संभाला जा सकता है। सरकार सभी पक्षों के साथ बातचीत कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम आएंगे।

वियतनाम भारत की ...

संबंधों की मजबूत नींव पर बने हैं और आपसी विश्वास और समझ से चिह्नित हैं। इससे पहले वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने आज उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अलग-अलग मुलाकात की। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और विस्तारित करने के लिए व्यापक चर्चा की गई। वहीं उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-वियतनाम द्विपक्षीय संबंधों के विविध पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह 30 जुलाई से 1 अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं।

वायनाड में मृतकों की ...

अभियान चला रहे हैं। अब तक वहां भारतीय सेना, एनडीआरएफ, फायर सर्विसेज, आईएएफ, आईसीजी और अन्य की पर्याप्त टीमें मौके पर हैं और केरल के सीएम और अन्य अधिकारियों ने एक समीक्षा बैठक की। वहीं केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा कि वायनाड में भूस्खलन से हुई तबाही की सीमा अभी तक ज्ञात नहीं है, क्योंकि बचाव दल भूस्खलन की चपेट में आई पहली बस्ती तक भी नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने भी दावा किया कि आपदा में मरने वालों की संख्या 200 का आंकड़ा पार कर गई है। राज्यपाल ने कहा कि अब तक बरामद किए गए शव ज्यादातर एक ही गांव के हैं, जो चालियार नदी के अपना रास्ता बदलने के कारण तबाह हो गए थे। गुरुवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बहन प्रियंका गांधी के साथ वायनाड पहुंचे और यहां स्थिति का जायजा लेते हुए पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है। देखते हैं सरकार क्या कहती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने पूरा दिन उन लोगों से मिलने में बिताया है, जो पीड़ित हैं। यह बहुत बड़ी त्रासदी है। हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि लोगों को कितना दर्द हो रहा है।

ऐसा मुझे मेरे पिता ...

केरल और देश के लिए एक भयानक त्रासदी है। हम यहां हालात देखने आए हैं। यह देखना दुखद है कि कितने लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और अपने घरों को खो दिया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम मदद करने की कोशिश करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि बचे लोगों को उनका हक मिले। उनमें से बहुत से लोग स्थानांतरित होना चाहते हैं। यहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। मैं डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासन और स्वयंसेवकों सहित उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरे लिए, यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है। देखते हैं सरकार क्या कहती है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह समय राजनीतिक मुद्दों पर बात करने का है। यहां के लोगों को मदद की जरूरत है। अभी समय यह सुनिश्चित करने का है कि सभी सहायता मिले। मुझे अभी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे वायनाड के लोगों में दिलचस्पी है। गांधी ने कहा कि आज मुझे महसूस हो रहा है कि जब मेरे पिता की मृत्यु हुई तो मुझे कैसा महसूस हुआ था। यहां लोगों ने सिर्फ एक पिता नहीं, बल्कि पूरा परिवार खो दिया है। हम सभी इन लोगों के सम्मान और स्नेह के ऋणी हैं। पूरे देश का ध्यान वायनाड की ओर है। प्रियंका ने कहा कि हमने पूरा दिन उन लोगों से मिलने में बिताया है जो पीड़ित हैं। यह बहुत बड़ी त्रासदी है। हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि लोगों को कितना दर्द हो रहा है। हम यहां उतना ही आराम और समर्थन देने के लिए हैं।

चार भारतीय टीवी ...

महीने से भुगतान नहीं किया है। इस कारण एक अगस्त से नेपाल में इन चैनलों का प्रसारण नहीं हो रहा है। इस बारे में नेपाल के सबसे बडे डीटीएच कंपनी डिस होम के चरपर्सन देवी प्रकाश भट्टचन ने कहा कि सरकारी नीति के कारण आज चैनल का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। भारतीय चैनल के प्रसारण को लेकर जो भुगतान किया जाना है उसकी अनुमति नेपाल राष्ट्र बैंक ने रोक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीने से लगातार आग्रह किए जाने के बावजूद नेपाल राष्ट्र बैंक ने अब तक भुगतान को लेकर एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी है। इस कारण चैनल का प्रसारण रुक गया है।

पूर्वोत्तर भारत में ...

गया। गुरुवार को मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वोत्तर भारत में जुलाई के महीने में लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ा था। आज भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पूर्व-पूर्वोत्तर भारत में 1901 के बाद से इस साल जुलाई का महीना दूसरा सबसे गर्म रहा है। इस दौरान औसत तापमान 32.44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर पश्चिम भारत में इस साल जुलाई का महीना आठवां सबसे गर्म महीना रहा है। इस दौरान औसत अधिकतम तापमान 34.39 दर्ज किया गया। पूरे भारत की बात करें तो इस साल जुलाई का महीना दसवां सबसे गर्म महीना रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि अगस्त और सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून सीजन के दूसरे भाग में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

केदारनाथ में सुरक्षित ...

को एयरलिफ्ट किया गया है। इसके अलावा पैदल यात्रा मार्ग में सोनप्रयाग और भीमबली के बीच फंसे 1100 यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग बनाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। इसी के साथ केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर कई जगह भूस्खलन होने से यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए केदारनाथ यात्रा फिलहाल रोक दी गई है। तीर्थ यात्रियों से अपील की गई है कि वे फिलहाल जहां भी हैं, सुरक्षित रूके रहें और अपनी केदारनाथ धाम यात्रा को स्थगित कर दें। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बुधवार रात को अतिवृष्टि से सड़कों, पैदल पुलों, बिजली और पेयजल लाइनों के साथ ही कृषि भूमि को भारी नुकसान पहुंचा है। आपदा की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रात से ही सक्रिय हो गए और रात्रि में ही राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचकर राज्य भर में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। गुरुवार को मुख्यमंत्री का पूरा दिन आपदा प्रभावित इलाकों में बीता। उन्होंने टिहरी और रुद्रप्रयाग जिले के आपदाग्रस्त इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ ही आपदा प्रभावितों का हाल भी जाना।

रंगिया : सड़क दुर्घटना में एक की मृत्यु

रंगिया (निसं)। रंगिया के गुरकुसी में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। तेज रफ्तार यामाहा एमटी मोटरसाइकिल नंबर एएस -25 यू 3817 से भयंकर टक्कर होने से रंगिया के गुरकुसी के हरकांत सालै की मौत हो गई। हरकांत सालै घरेलु सामान की खरीदारी करने के लिए घर से चौक की ओर आये थे। प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार उदंड बाइक चालक की वजह से ही निर्दोष व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से पैदल यात्री की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह घटना नगांव शहर के हयबरगांव के खरमपट्टी में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीटीसी सरकार ने बक्सा जिले में सुरक्षित शिक्षा के लिए प्रमुख पहलों का अनावरण किया

कोकराझाड़। शैक्षिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य, प्रमोद बोरो ने आज बक्सा जिले के सालबारी निर्वाचन क्षेत्र में कई प्रमुख विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। यह पहल सभी छात्रों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बीटीसी प्रमुख द्वारा उद्घाटन की गई योजनाओं में इरागदाओ एलपी स्कूल में नया मुख्य स्कूल ब्लॉक शामिल है, जिसमें स्मार्ट फेंस वाली चारदीवारी और एक लोहे का गेट है, जो अपने युवा शिक्षार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके

अतिरिक्त, मैनाओगामी एलपी स्कूल में एक नए स्कूल भवन का उद्घाटन किया गया, जिसमें तीन आधुनिक कक्षाएं, आवश्यक विद्युत कार्य और एक सेप्टिक टैंक से सुसज्जित शौचालय शामिल हैं। इन संवर्द्धना का उद्देश्य शैक्षणिक बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार करना है, जिससे छात्रों को सीखने, उचित स्वच्छता और समग्र कल्याण के लिए अनुकूल माहौल मिल सके। इसके अलावा, सीईएम प्रमोद बोरो ने बोरोबाजार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बालिका छात्रावास-चौथे का उद्घाटन किया। यह नवनिर्मित छात्रावास लड़कियों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण प्रदान करने, उन्हें महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करने और भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन पहलों के साथ, बीटीसी सरकार न केवल शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही है, बल्कि छात्रों की सुरक्षा और विकास को भी प्राथमिकता दे रही है, जिससे क्षेत्र में एक उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

तेजपुर में लगी आग में लाखों का सामान जलकर राख

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर शहर में सुबर्ण रेखा रोड पर भीषण आग लगने से स्निग्धज्योति बरुवा नामक एक व्यापारी का फर्नीचर गोदाम जलकर राख हो गया। आग बिजली के शार्ट सर्किट से लगी। घटनास्थल पर एक गोदाम के चल रहे निर्माण कार्य के कारण फायर ब्रिगेड को मौके पर पहुंचने में परेशानी हुई। हालांकि, दमकल कर्मी काफी मशक्कत कर आग बुझाने में सफल रहे। आग में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। इस आगजनी के सिलसिले में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मराभरली नदी से महिला का शव बरामद

शोणितपुर (हिंस)। मराभरली नदी से गुरुवार की सुबह संदिग्धावस्था में एक महिला का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने सुबह तेजपुर मराभरली पुल के नीचे एक महिला का शव देखा। शव मिलने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए तेजपुर कनकलता सिविल अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान तेजपुर मराभरली निवासी कविता सूरांगसूरा के रूप में हुई है। उसके पति शंखधर सूरांगसूरा असम पुलिस में कार्यरत हैं। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि महिला की मौत कैसे हुई।

लुमडिंग में गांजा और नकदी जब्त, एक गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। लुमडिंग से पुलिस ने गांजा और नकदी के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार तस्कर की पहचान राजू दे के रूप में हुई है। लुमडिंग थाना प्रभारी शशधर कलिता के कार्यभार संभालने के तुरंत बाद क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया। हिरासत में लिये गए तस्कर का घर लुमडिंग के समाजबाड़ी में है। लुमडिंग पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर राजू दे के घर पर छापा मारा और 2.60 लाख रुपए नकद, गांजा तथा एसटी पेपर जब्त करने में कामयाबी हासिल की। राजू दे लंबे समय से गांजा का रैकेट चला रहा था।

रसायन विज्ञान विभाग में रंगिया की ज्योतिस्मिता ने मारी बाजी

रंगिया (निसं)। रंगिया के मधुकुछी निवासी ज्योतिस्मिता कलिता की सफलता से रंगियावासी गौरान्वित है। मालुम हो कि गुवाहाटी विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग में रंगिया की ज्योतिस्मिता कलिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ज्योतिस्मिता कलिता ने गुवाहाटी के बी बरुआ कॉलेज से स्नातक, गुरुकुल ग्रामर स्कूल से हायर सेकेंडरी और रंगिया के फातिमा कॉन्वेंट से हाई स्कूल की शिक्षा ग्रहन किया है। वह वर्तमान में उच्च अध्ययन के लिए असम के बाहर एक अग्रणी विश्वविद्यालय में नामांकित करवाया है। ज्योतिस्मिता कलिता मधुकुछी निवासी अनिल चंद्र कलिता और उत्तरा डेका कलिता की इकलौती संतान हैं।

रहस्यमय परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला कक्षा 10 के छात्र का शव

गुवाहाटी। असम के तिनसुकिया जिले में गुरुवार को एक स्कूल परिसर के छात्रावास के अंदर रहस्यमय परिस्थितियों में कक्षा 10 के छात्र का शव मिला। मृतक की पहचान लेखापानी निवासी गामरीन मुकुट के रूप में हुई है। यह जानकारी पुलिस ने दी। मार्गेरिटा में एसडीपीओ शंभवी मिश्रा ने आईएएनएस को बताया कि सेंट पॉल स्कूल के परिसर में शव फांसी पर लटका हुआ मिला और उसके हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे। छात्रों ने गुरुवार सुबह शव देखा। इस बीच, स्थानीय लोगों ने मामले में स्कूल के प्रिंसिपल की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए राजमार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र के परिजनों ने मामले में संदेह जताते हुए जांच की मांग की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

226 की मौत, 39 लापता, सीएम बीरेन सिंह ने पेश किए मणिपुर हिंसा के आंकड़े

इंफाल। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिविर के निवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए चावल, दाल, खाद्य तेल, गद्दे, बिस्तर, बर्तन, थर्मस फ्लास्क, पानी और बिजली जैसी दैनिक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि मई 2023 से राज्य में जारी हिंसा के कारण 226 लोगों की मौत हो गई है और 39 लोग लापता हैं, जबकि 59, 414 लोग (मंगलवार तक) राहत शिविरों में हैं। हिंसा के संबंध में 11, 133 घरों को आग लगा दी गई है और विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 11, 892 मामले दर्ज किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट के जवाब में राज्य सरकार ने विस्थापित आबादी को आश्रय देने के लिए 302 राहत शिविर स्थापित किए हैं। कांग्रेस विधायक के मेघचंद्र के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री बीरेन ने कहा कि 5, 554 किसानों की कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिससे उनकी

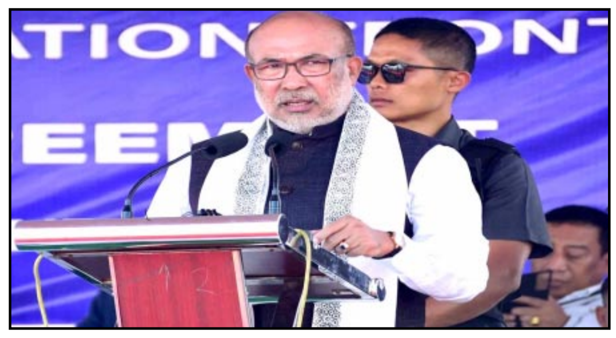

आजीविका खतरे में पड़ गई है। कृषि घाटे की मान्यता में, 3, 483 प्रभावित किसानों को 18.91 करोड़ रुपए का फसल मुआवजा जारी किया गया है। स्थायी आवास योजना के तहत 798 लाभुकों को पक्का मकान बनाने के लिए 21.68 करोड़ रुपए का वितरण किया गया है। इसके अतिरिक्त, जिन 2, 792 परिवारों के घर जल गए या क्षतिग्रस्त हो गए, उन्हें अंतरिम राहत के रूप में 25, 000 रुपए प्रदान किए गए हैं। बीरेन ने कहा कि राहत शिविरों और कैदियों का जिला-वार विवरण नहीं दिया जा सकता क्योंकि जानकारी संवेदनशील प्रकृति की है और मौजूदा संकट पर इसका संभावित प्रभाव पड़ सकता है। प्रमुख सहायता में राहत शिविरों के निर्माण और संचालन के लिए एकमुश्त सहायता शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिविर के निवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए चावल, दाल, खाद्य तेल, गद्दे, बिस्तर, बर्तन, थर्मस फ्लास्क, पानी और बिजली जैसी दैनिक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा रही है।

दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाई गई

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए अगस्त के पहले सप्ताह से दोनों दिशाओं में दो जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल- ट्रेन संख्या 03027/03028 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) की सेवाओं को चार-चार फेरों के लिए और ट्रेन संख्या 03105/03106 (सियालदह-जागीरोड-सियालदह) की सेवाओं को पांच-पांच फेरों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है। ये ट्रेनें मौजूदा सेवा दिनों, समय-सारणी और ठहराव के साथ चलेंगी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) साप्ताहिक स्पेशल 07 अगस्त से 28 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार को हावड़ा से 23:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन न्यू जलपाईगुड़ी 10:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) साप्ताहिक स्पेशल 08 अगस्त से 29 अगस्त तक प्रत्येक गुरुवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 12:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन हावड़ा 00:10 बजे पहुंचेगी। अपने दोनों तरफ की यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन किशनगंज, मालदा टाउन, आजिमगंज, कटवा और बैंडल आदि स्टेशनों से होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 03105 (सियालदह-जागीरोड) साप्ताहिक स्पेशल 02 अगस्त से 30 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार को सियालदह से 9:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन जागीरोड 06:30 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 03106 (जागीरोड-सियालदह) साप्ताहिक स्पेशल 03 अगस्त से 31 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को जागीरोड से 13:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन अपने गंतव्य सियालदह 13:00 बजे पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन अपने दोनों तरफ की यात्रा के दौरान गुवाहाटी, गोवालपारा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, मालदा टाउन, जंगीपुर रोड, आजिमगंज, बैंडल, नैहाटी होकर चलेगी। इन मार्गों पर चलने वाली अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्री आरामदायक यात्रा के लिए इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं बनी स्टार सीमेंट की ब्रांड एंबेसडर

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत में सीमेंट उद्योग के प्रतिष्ठित अग्रणी स्टार सीमेंट ने ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी स्टार सीमेंट की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है और जिन समुदायों की सेवा करती है उनके साथ अपने संबंधों को और गहरा करती है। असम की एक अग्रणी लवलीना बोरगोहाईं, देश की एक सच्ची प्रेरणा और गौरव हैं, जो मुक्केबाजी में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी सफलता उनके दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रमाण है, ऐसे गुण जो स्टार सीमेंट के लचीलेपन और समर्पण के अपने मूल्यों को दर्शाते हैं। स्टार सीमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित ने कहा कि

हम स्टार सीमेंट परिवार में लवलीना बोरगोहाईं के शामिल होने से काफी खुश हैं। उनकी उल्लेखनीय यात्रा और अपने खेल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी ताकत और उत्कृष्टता के मूल मूल्यों के अनुरूप है। चूंकि हम पूर्वोत्तर में अग्रणी बने हुए हैं और पश्चिम बंगाल और बिहार में विस्तार कर रहे हैं, यह साझेदारी हमारी बाजार उपस्थिति को मजबूत करने और हमारे दर्शकों के साथ हमारे बंधन को गहरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लवलीना बोरगोहाईं के साथ सहयोग स्टार सीमेंट के लंबे समय से चले आ रहे सिद्धांत के अनुरूप है, जिसे हर घर में है स्टार नारे से दर्शाया गया है, जिसकी योजना स्टार सीमेंट के ब्रांड प्रमुख दिव्यज्योति गुहा ने बनाई है। यह वाक्यांश पूर्वोत्तर भारत के लोगों के लिए स्टार सीमेंट की स्थायी उपस्थिति और समर्पण को दर्शाता है, जो उनके जीवन में इसकी भूमिका और चुनौतियों पर काबू पाने और सफलता के लिए प्रयास करने की इसकी साझा भावना पर जोर देता है। स्टार सीमेंट स्थानीय प्रतिभा को बढ़ावा देने और समर्थन देने के अपने मिशन में दृढ़ है, और लवलीना बोरगोहाईं के साथ यह साझेदारी पूर्वोत्तर भारत की असाधारण प्रतिभाओं का जश्न मनाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम आगे है। लवलीना बोरगोहाईं ने साझेदारी के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए कहा, मैं समुदाय को प्रेरित करने और उससे जुड़ने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, दृढ़ संकल्प और सफलता के मूल्यों को मजबूत करना जो स्टार सीमेंट और मैं दोनों के लिए प्रिय हैं।

नगांव पार्वती नाथ कांवड़ संघ बैद्यनाथ धाम रवाना

नगांव (निसं)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवघर स्थित बाबाधाम में पावन गंगाजल चढ़ाने के लिए नगांव पार्वती नाथ कांवड़ संघ के बैनर तले 120 कांवड़ियों का जत्था गुवाहाटी से बुधवार को बाबाधाम के लिए रवाना हुआ, जो सुल्तान गंज से पावन गंगाजल अपने कांवड़ में भरकर पैदल यात्रा करते हुए आगामी 7 अगस्त को देवघर स्थित बाबाधाम में भोले शंकर को कांवड़ अर्पित करेंगे। पार्वती नाथ कांवड़ संघ के अध्यक्ष पवन आलमपुरिया ने बताया कि पंडित सुशील शर्मा के तत्वावधान में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रत्येक पड़ाव पर बाबा भोले शंकर का रुद्राभिषेक किया जाएगा। साथ ही पूरे भक्तिमय वातावरण के बीच धन्यवाद से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुनीता सिंह,

कृपांशु सिंह और कोलकाता से आमंत्रित कुमार सोनू अपने भजनों के माध्यम से कांवड़ियों को भक्ति की गंगा में डुबकी लगवाएंगे। कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना करना नहीं पड़े, इसके लिए पार्वती नाथ कांवड़ संघ ने प्रत्येक पड़ाव पर कांवड़ियों को ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था किया है। इस कार्यक्रम को लेकर कांवड़ियों के बीच काफी उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनिता आलमपूरिया, अर्जुन दास, अजय शर्मा, बिनोद पटवारी, भरत चौरेसिया, राजा दास गुप्ता तथा प्रवेश जैन आदि सदस्य पूरी तैयारी में लगे हुए हैं।

तेयुप, नगांव शाखा का *फिट युवा तो हिट युवा* कार्यक्रम आयोजित

नागांव (निसं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित आयाम फिट युवा-हिट युवा के तहत आ.भा.ते.यु.प के 60 बेमिशाल साल पूर्ण होने के उपलक्ष में लोगो को स्वस्थ और शारिरिक फिटनेस के प्रति जागरुक करवाने के लिए स्थानीय तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद नगांव ने योग एवं ध्यान का कार्यक्रम प्रात: 5.31 से 7.31 बजे तक आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। कार्यक्रम में छोटे-छोटे व्यायाम से शरीर को कैसे स्वस्थ रख सकते है एवं ध्यान करके कैसे मन को शांत रख सकते है, के बारे में योग प्रशिक्षक पुण्य देव राय ने व्यायाम के माध्यम से बताया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सदास्यो ने पूरी तरह से तरोताजा महसूस किया। सभी ने सूर्य नमस्कार के 12 चरणों की पूरी

प्रक्रिया का अभ्यास किया। नियमित व्यायाम के साथ साथ प्रशिक्षक ने आहार ग्रहण के सही प्रारूप के बारे में अपने विचार भी साझा किए। सभी ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया। इससे पुर्व तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष गोविंद कोठारी ने सबका स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में तेयुप के मंत्री अमित दुग्गड़, तेरापंथ महिला मंडल की सह मंत्री मंजु देवी चौरड़िया, कोषाधक्षय ललिता कोठारी, आभातेयुप के क्षेत्रीय प्रभारी अजीत कोठारी, समाज सेवी लक्ष्मीपत चौरड़िया एवं तेयुप के पुर्व अध्यक्ष विकास कुहाड़, कार्यक्रम के संयोजक सनी कोठारी तथा कार्यकारिणी सदस्य विनय कुहाड़ एवं प्रवीण डागा की गरिमामय उपस्थिति रही।

आयुष्मान कार्ड पर रोक और कई अहम मुद्दों पर सीपीआईएम की प्रेस कांफ्रेंस

रंगिया (विभास)। सीपीआईएम ने रंगिया में आयुष्मान कार्ड के इस्तेमाल पर रोक और कई अहम मुद्दों पर प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कामरूप जिला सचिव बासुदेव कलिता ने कहा कि असम सरकार ने निजी क्षेत्र के अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड को अचानक निलंबित कर दिया है, जिससे गरीब मरीजों में निराशा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल को छोड़कर सभी सरकारी अस्पतालों में सभी बीमारियों के बेहतर इलाज के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपकरणों और तकनीशियनों की कमी है। ऐसे में मरीजों को अपना घरेलू सामान बेचकर निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ता है। हाल ही में बी बरुवा कैंसर इंस्टीट्यूट ने भी आयुष्मान कार्ड रद्द कर दिया है। निजी अस्पतालों पर भी आयुष्मान कार्ड से इलाज का करोड़ों रुपए सरकार पर बकाया है। उदाहरण के तौर पर रंगिया स्वस्ति अस्पताल पर सरकार पर 12 करोड़ रुपए बकाया है। इसलिए अस्पताल आयुष्मान कार्ड के माध्यम से चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में रुचि नहीं रखता है। सीपीआईएम ने गरीबों के लाभ के लिए आयुष्मान कार्ड को दोबारा शुरू करने की मांग की। रंगिया में स्वास्थ्य क्षेत्र में

भी कई लंबे समय से चली आ रही समस्याएं समाधान की मांग की हैं। एक साल पहले असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व शर्मा ने स्थानीय विधायक भवेश कलिता की उपस्थिति में 47 आई सी यु बिस्तरयुक्त रंगिया आदर्श अस्पताल का उद्घाटन किया था। अस्पताल आधिकारिक तौर पर सीयू बेड के साथ खोला गया था। हालांकि, इसे आज तक मरीजों के लिए नहीं खोला गया है। आदर्श अस्पताल में एक्स-रे मशीन लीड डोर और लेड बैरियर की कमी के कारण सन 2018 से अप्रयुक्त है। इस बीच, अस्पताल के अंदर डायलिसिस सेंटर के लिए लाई गई तीन मशीनें मशीनों को स्थापित करने के लिए जगह की कमी के कारण पिछले चार महीनों से गोदाम में पड़ी हैं। ग्रेटर रंगिया क्षेत्र के निवासियों ने मांग की है कि यांत्रिक विफलताओं और चिकित्सा कर्मचारियों की कमी को पूरा करके अस्पताल को जल्द से जल्द और अधिक कार्यात्मक बनाया जाए। उन्होंने रंगिया में चिकित्सा उपचार में बाधा डालने वाली समस्याओं का जल्द से जल्द स्थायी समाधान करने का भी आह्वान किया। अन्यथा उन्होंने आने वाले दिनों में आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

संपादकीय

चिंताजनक है पश्चिम बंगाल की स्थितियां

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ढुलमुल रवैए, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी और कट्टरवादी ताकतों की निर्भय सक्रियता के कारण अराजक स्थितियां बन गई हैं। सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवतः कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है। लेकिन ऐसी मजबूरी किसी काम की जो लोकतंत्र और संविधान की रक्षा ही नहीं कर सके। अपने कार्यकर्ताओं के दुःख-दर्द में सहभागी न हो सके। प्रदेश में स्थितियां इतनी भयावह हैं कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में बनी अराजक स्थिति से राष्ट्रपति को अवगत कराया और राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू से हस्तक्षेप करने की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने उन सब बातों को दोहराया है, जिन्हें अब तक भाजपा उठाती आई है। जैसे, चुनावी एवं राजनीतिक हिंसा। पंचायत एवं विधानसभा चुनावों की भाँति हाल ही में सम्पन्न हुए आम चुनावों के दौरान एवं बाद में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले करना, उनकी आजीविका समाप्त करना और ध्रुवीकरण करना। दो पन्नों के पत्र में चौधरी ने स्पष्ट लिखा कि "मेरे लिए व्यक्तिगत स्तर पर, राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। इसका कारण सत्तारूढ़ पार्टी का विपक्ष के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समर्थकों के प्रति क्रूर रवैया है"। चौधरी ने 'क्रूर रवैया' शब्द का उपयोग उचित ही किया है। जिस प्रकार से वहाँ लोगों के घर-दुकान जलाए जा रहे हैं, उनको घेरकर निर्दयीयता के साथ मारा-पीटा जा रहा है, महिलाओं के साथ अभद्रता की जा रही है, यह सब क्रूरता की पराकाष्ठा है। इस क्रूरता के कारण लोगों को अपने घर छोड़कर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसकी उम्मीद तो कम ही है कि अधीर रंजन चौधरी की पीड़ा को कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सुनेगा। परंतु, पश्चिम बंगाल की स्थितियां सुधारने एवं कानून की व्यवस्था लागू कराने के लिए केंद्र सरकार को अवश्य ही कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए।

> सत्ताधारी दल, उसकी विचारधारा और अन्य मामलों में असहमति रखनेवाले नागरिकों के लिए वहाँ जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। पश्चिम बंगाल से कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को मारापीटा जा रहा है। यहाँ तक की इस्लामिक कानूनों को आधार बनाकर शरिया अदालतें लगाई जा रही हैं और लोगों को सजा दी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा तो इस स्थिति की ओर समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया ही जा रहा था लेकिन अब प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक उनकी चिंता के साथ अपना समर्थन प्रदर्शित नहीं किया है। क्योंकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश की भयावह स्थितियों पर अब तक चुप है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं मुस्लिम गुंडों की ओर से केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं की ही मारपीट एवं हत्या नहीं की जा रही है अपितु उनके निशाने पर वामपंथी और कांग्रेसी कार्यकर्ता/समर्थक भी हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के कार्यकर्ता की पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर हत्या की दी गई। लेकिन अभी तक अधीर रंजन चौधरी के अलावा किसी भी कांग्रेसी नेता की संवेदनाएं नहीं जागी हैं। संभवत : कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी को बनाए रखने की मंशा से 'जंगल राज' और अपने कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं में चुप्पी साधने को मजबूर है।

मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है

सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देती हैं पाठ्यपुस्तकें

प्रियंका सौरभ

> एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है . एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) देश भर में शिक्षा को मानकीकृत करने वाली पाठ्यपुस्तकों को विकसित और वितरित करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय एकीकरण, वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए एक व्यापक और संतुलित शिक्षा प्रदान करना है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों अमूल्य योगदान है. एक अच्छी शिक्षा व्यापक व्याख्या, तथ्यों का व्यापक प्रदर्शन, बौद्धिक विकास और उन तथ्यों, उन व्याख्याओं के आलोचनात्मक विश्लेषण का साधन प्रदान करती है। कई विषयों में सामाजिक और सांस्कृतिक कारक शामिल होते हैं और एक वैध पाठ्यक्रम में उन्हें यथासंभव ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाता है (हालांकि ऐसे विषयों में पूर्वाग्रह को बाहर करना कठिन है)। मनोविज्ञान, मानव विज्ञान, राजनीति विज्ञान जैसे कई विषयों में सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं का महत्व स्पष्ट है। पूर्वाग्रह से बचने की कठिनाई भी उन विषयों में स्पष्ट है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें विविधता में एकता पर जोर देती हैं , छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों के त्योहारों पर पाठ्य-पुस्तकों के अध्याय सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं। पाठ्यपुस्तकों में ऐसी कहानियाँ और पाठ शामिल किए जाते हैं जो ईमानदारी, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । उदाहरण के लिए "ईमानदार लकड़हारा" जैसी कहानियाँ छात्रों को ईमानदारी और निष्ठा का महत्व सिखाती हैं। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें पुरुषों और महिलाओं को विभिन्न भूमिकाओं में चित्रित करके और समान अवसरों के महत्व पर जोर देकर लैंगिक समानता को बढ़ावा देती हैं ।उदाहरण के लिए महिला स्वतंत्रता सेनानियों और वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डालने वाले अध्याय लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करते हैं। पर्यावरण शिक्षा को शामिल करने से छात्रों में प्रकृति और संधारणीयता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण के प्रभाव पर पाठ पर्यावरण संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। पाठ्यपुस्तकें आलोचनात्मक सोच और वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे समस्या-समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए विज्ञान के अध्याय जिनमें प्रयोग और अवलोकन शामिल हैं, छात्रों को अपने आस-पास की दुनिया पर सवाल उठाने और उसका पता लगाने की शिक्षा देते हैं। मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम शिक्षा के लिए एक संतुलित, समग्र दृष्टिकोण है जो राष्ट्रीय और व्यक्तिगत विद्यालय-केंद्रित पाठ्यक्रम के इर्द-गिर्द घूमता है ताकि एक ऐसा वातावरण बनाया जा सके जो समाज-समर्थक और पर्यावरण-समर्थक मानवीय मूल्यों के स्पष्ट शिक्षण और मॉडलिंग द्वारा आकार दिया गया हो। छात्रों के लिए मूल्य-आधारित पाठ्यक्रम की उपलब्धियों में आत्म-मूल्य की सकारात्मक भावना विकसित करना, नैतिक और संबंधपरक क्षमताओं में सुधार और प्राकृतिक दुनिया के साथ अधिक जुड़ाव शामिल है। भारत में छात्रों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आकार देने में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के योगदान के साथ-साथ कुछ विकृत्यं भी है, जिन पर ध्यान देना समय की जरूरत है. एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इतिहास का विकृत संस्करण प्रस्तुत करने के लिए की जाती रही है पाठ्यपुस्तकों की आलोचना इस बात के लिए की गई है कि वे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं जैसे हाशिए पर स्थित समुदायों के अनुभवों और योगदानों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उदाहरण के लिए इन समुदायों के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और उनके योगदानों को अक्सर कम दर्शाया जाता है, जिससे शिक्षा में समावेशिता की कमी होती है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पर लिंग, जाति और क्षेत्रीय रूढ़िवादिता को मजबूत करने का आरोप लगाया गया है, जो छात्रों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए महिलाओं को मुख्य रूप से घरेलू भूमिकाओं में दिखाना या कुछ क्षेत्रों को पिछड़ा दिखाना रूढ़िवादिता को मजबूत कर सकता है। पाठ्यपुस्तकों में कुछ सामग्री पुरानी मानी जाती है और वर्तमान सामाजिक मूल्यों एवं चुनौतियों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, जिससे यह आज के छात्रों के लिए कम प्रासंगिक हो जाती है। उदाहरण के लिए आधुनिक तकनीकी प्रगति, समकालीन सामाजिक मुद्दे और हाल की ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित विषय अक्सर गायब होते हैं या अपर्याप्त रूप से कवर किए जाते हैं। कुछ पाठ्यपुस्तकों द्वारा प्रचारित रटने की पद्धति आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता को हतोत्साहित करती है, तथा समझने की तुलना में याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है।

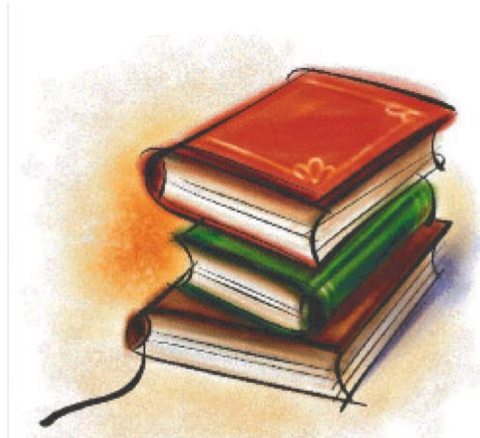

दृष्टि कोण

भारत की ताकत रही है धार्मिक विविधता

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवड़ियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवड़ियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है। तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े। इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं। कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है। सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है। उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती। अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है। था कोई ज़माना जब राजनेता अक्सर यह कहकर बच निकलते थे कि उन्हें ग़लत उद्धृत किया गया, अथवा ग़लत समझ गया, पर चौबीस घंटे समाचार चैनलों के युग में यह बहानेबाजी नहीं चल सकती। सारी दुनिया ने शुभेंदु अधिकारी के उस भाषण को सुना है। दुनिया ने तो भाजपा के एक अन्य बड़े नेता को पिछले चुनावों के समय प्रचार के दौरान यह कहते भी सुना था कि हमें अल्पसंख्यकों के वोट की आवश्यकता नहीं है। यही क्यों, स्वयं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह कह चुका है कि कांग्रेस वाले देश के संसाधन मुख्यतः 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को देना चाहते हैं। यह सारी बातें सांप्रदायिकता की उस घटिया और खतरनाक राजनीति की ओर इशारा करती हैं जो देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर बनाने में लगी है। हमारा पंथ-निरपेक्ष संविधान सर्व धर्म समभाव में विश्वास करता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-विचार कर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने से इनकार किया था। आसेतु-हिमालय हमारा भारत सभी धर्मों को मानने वाले भारतवासियों का देश है। हमारे प्रधानमंत्री यह कहते नहीं थकते की 140 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है। जब इस परिवार के एक हिस्से को पंक्ति से बाहर बिठाने की कोशिशें हो रही हैं तो स्वयं को परिवार का मुखिया मानने वाले व्यक्ति के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वह इन विघटनकारी गतिविधियों का न केवल विरोध करे बल्कि उन्हें असफल बनाने का उदाहरण प्रस्तुत करे। दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया। बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए। यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है। न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया। लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं। हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिन्हित किए जाने का कोई स्थान नहीं है। यही हमारा वह संविधान भी कहता है जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते। शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है। यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है। संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है। कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता की दुहाई देने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए की यात्रा के मार्ग में कांवड़ियों का स्वागत-सत्कार करने वाले सिर्फ हिंदू ही नहीं हैं।

कुछ अलग

प्रवृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात ब्रा यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांविड़या। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांविड़ए दूर-दराज से आते हैं और अपने आस-पास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पात पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है, और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धरमिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धरमिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशुपक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़ेमकोड़ों और समूचे पर्यांवरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांविड़ए जलरत्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलरत्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्रावृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी वृपा हमारे ऊपर भी सतत धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके। भोलेनाथ के भत्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम वुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को सर्मपित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पामि व पूवा यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व वुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरुआत वैसे हुईं। वुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरुआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्वृतिक, भौगोलिक और धरमिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है। उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांविड़ए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी।

देश दुनीया से

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा

> सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार-तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है।

शहादत रोकने के लिए छोड़नी होगी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देश की वर्तमान हालातों ने भविष्य की संभावनाओं और समस्याओं को रेखांकित करना शुरू कर दिया है। केन्द्र की कमजोर सरकार और दमदार विपक्ष के कारण कठोर निर्णयों के लिए बेहद समस्याग्रस्त वातावरण र्निमित हो चुका है। सकारात्मक प्रस्तावों पर भी नकारात्मकता प्रस्तुत करने के लिए संकल्पित विपक्ष का मनमाना आचरण जहां बंगाल में देश की विदेश नीति को तार-तार हो रही है वहीं सीमापार से आने वाले आतंकियों को संरक्षण देने का वायदा करने वाली ममता की तानाशाही अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बनता जा रहा है। आम आदमी पाटा का दिल्ली सरकार को जेल के अन्दर से चलाने की स्थित से लेकर तृणमूल कांग्रेस की बंगाल सरकार द्वारा राज्यपाल के साथ विवाद पैदा करने तक को कांग्रेस के काले कोटधारी नेताओं द्वारा कानूनी दावपेंचों में पंसाने का पहल वास्तव में आंतरिक हालातों को विस्फोटक स्थित तक पहुंचाने की पहल ही है। ऐसे में केन्द्र में कमजोर सरकार और विपक्ष के राष्ट्रघाती वृत्यों को अवसर समझकर चीन से साथ मिलकर पाकिस्तान ने देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर आंतरिक युद्ध कराने की लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। नईं सरकार के गठन के बाद पाक सीमा से घुसपैठ तेज हो गईं। माछिल सेक्टर स्थित कामकारी में फार्वर्ड पोस्ट सहित विभिन्न सीमावता इलाकों से पाक सेना व्दारा निरंतर गोलाबारी की जाने लगी। इस बार्डर एक्शन टीम में शामिल पाकिस्तानी सेना के विशेष कमांडो सहित वहां के पूर्व सैनिकों ने आतंकवादियों के वेश में कश्मीर की धरती में घुसपैठ करना शुरू कर दी है। उन्हें देश के लोकसभा और राज्यसभा के सदनों में हुये निन्दनीय दृश्यों को देखकर हमारी धरती पर मीरजाफर जैसों की सलाह पर ली और सेना के राष्ट्रभत्त सैनानियों के खून से घाटी को रंगना शुरू दिया। उन्हें विश्वास है कि बंगला देश के आतंकियों को पनाह देने वाली ममता, राष्ट्र के शौर्य का प्रमाण मांगने वाले राहुल, खालिस्तान के मुद्दे पर नरम रुख अपनाने वाले केजरीवाल जैसे लोगों के साथ-साथ भारत की कानून व्यवस्था को मनमाफिक मोड़ने में माहिर कलुषित काले कोटधारी उनके मंसूबों को पूरा करने में हमेशा की तरह साथ खड़े रहेंगे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय मे देश के टुकड़े-टुकड़े करने की झंडा बुलन्द करने वालों को भी राजनीति के अखाड़े के पहलवानों ने ही बचाया था। देश में जितनी भी राष्ट्र विरोधी स्थितियां पैदा हुईं, सभी में राजनैतिक दिग्गजों के नाम प्रमुखता से सामने आये। घटनाओं के समय रेखांकित किये गये मुद्दे समय के साथ ठंडे बस्ते में चले गये। राष्ट्र को राष्ट्रवाद से हटाकर जातिवाद के वगाकरण में विभत्त कर दिया। कभी कानून की धाराओं, अधिनियमों के खण्डों और अनुशासन के सिद्धान्तों को साम्प्रदायिक रंग देकर न्याय की बंद आंखों में धूल झौंकने का काम किया जा रहा तो कभी आन्तरिक युद्ध जैसी स्थितियां पैदा करने करने हेतु जेहाद की नईं परिभाषायें गढ़ीं गईं। छतों पर पत्थरों का ढेर, बमों की निर्माण, अवैध हथियारों का संग्रह, षड्यंत्रकारियों को सहयोग, सरकारी जमीनों पर अतिमण जैसे कार्यं करने वाले सपेदपोश के चेहरों पर चढ़े नकाब तक हाथ पहुंचते ही राजनैतिक खेमों से लेकर कथित समाजसेवियों, कथित बुद्धिजीवियों, कथित राष्ट्रभत्तों की जमातें अपने खास सिपाहसालारों के साथ सड़कों पर हंगामा करने के लिए भीड़ की शक्ल में जमा होकर सम्पत्तियों को नष्ट करने लगते हैं। लाइन आफ एक्चुअल कन्ट्रोल पर आव्रामक होता पाकिस्तान अपने दोस्त चीन के सहयोग से अब अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों के साथ अपने एसएसजी कमांडोज़, सेना के जवानों, पूर्व सैनिक, खास कट्टरपंथियों को छापामार युद्ध में प्रशिक्षित करके घाटी में उतार रहा है। देश के गद्दारों से साथ उसका बेहतर तालमेल है। ऐसे कथित अनेक गद्दारों के नाम वर्तमान में देश की विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं जिम्मेवार स्थानों पर अंकित होना प्रचारित है। राष्ट्र की सुरक्षा, विकास और सम्पन्नता हेतु लिये जाने वाले निर्णयों के लिए भी अब अनेक जटिलतायें पैदा हो गईं हैं। चर्चा है कि इन जटिलताओं के जन्मदाता विगत कार्यकाल में कमजोर होते के बाबजूद भी दुनिया भर में भारत की बुराईं के ब्राण्डएम्बेस्टर बनकर चर्चित रह चुके हैं। अनेक बार बेनकाब हो चुके चेहरों ने कभी माथे पर चंदन लगाया तो कभी सिर पर टोपी लगाईं। कभी पगड़ी बांधी तो कभी नंगे पैर चलने का अभिनय किया। नाम और कर्म से दोरंगी प्रवृति को अंगीकार करने वालों की जमात जब तक देश में सव्रिय रहेगी तब तक भितरघातियों से साथ मिलकर बा आव्रान्ता निरंतर आव्रमण करते रहेंगे और राष्ट्र भत्तों से लहू से लाल होता रहेगा मां भारती का आंचल।

आप का नजरीया

घातक लापरवाही

घातक लापरवाही दिल्ली के ओल्ड राजेन्द्र नगर के राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के बाद जब रविवार को सैकड़ों छात्रों ने सड़क पर उतरकर दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू किए, तब जाकर लोगों को इस बात का एहसास हुआ कि दिल्ली की सीवर और नालों की सफाईं के मामले में जो लापरवाही बरती जा रही है, उसकी कीमत निर्दोष नागरिक अपनी जान देकर चुका रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शनिवार की शाम 6 बजे के आसपास जब भारी बारिश हो रही थी उस वक्त दिल्ली की प्रतिष्ठित सिविल सेवा की तैयारी करने के लिए राव आईंएएस स्टडी सर्विल नामक कोचिंग सेंटर में वुछ छात्र बेसमेंट में स्थित लाइब्रेरी में पढ़ रहे थे। लाइब्रेरी 7 बजे तक खुली रहती है। जिस वक्त मूसलाधार बारिश हो रही थी तब बेसमेंट में वुल 35 छात्र मौजूद थे। बाद में सीवर का पानी लाइब्रेरी के लोहे के गेट को तोड़कर बेसमेंट में घुस गया। छात्र जब तक संभलते या बाहर निकलने की कोशिश करते इसके पहले ही 12 फीट तक पानी भर गया। इसके बावजूद 23 छात्र किसी तरह जान बचा कर बाहर निकल सके। इस बीच जो 12 छात्र पंसे थे उनमें से तीन छात्रों की करंट लगने से मौत हो गईं। रविवार को पुलिस ने छात्रों के आव्रोश को देखते हुए कोचिंग सेंटर के मालिक और कोआर्डिनेटर के खिलाफ लापरवाही के लिए एफआईंआर दर्ज कर लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि राव कोचिंग सेंटर के तीन छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन है? इस कोचिंग सेंटर से बाहर दो दिन पहले भी सीवर का पानी भरने से नीलेश पटेल नामक छात्र की मौत हो चुकी है। इन छात्रों की मौत का यदि कोईं भी जिम्मेदार है तो वह है नगर निगम और दिल्ली सरकार का दिल्ली जल बोर्ड। दिल्ली में आज की तारीख में नाम का मुख्यमंत्री है। वर्व प्राम होम तो संभव है किंतु वर्व प्राम जेल बिल्वुल भी संभव नहीं है। इसलिए दिल्ली सरकार की भूमिका को तो छोड़ ही देनी चाहिए। रही बात नगर निगम की तो यह संस्था पूरी तरह निकम्मी हो चुकी है। अप्रैल से लेकर मईं तक नालों और सीवरों की सफाईं हो जानी चाहिए थी। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। जरा सी बरसात होते ही सड़वें नाला बन जाती हैं क्योंकि बरसात का पानी सीवर के जाम होने से नाले में जा ही नहीं पाता। सीवर की सफाईं का काम दिल्ली जल बोर्ड का है और यह संस्था दिल्ली सरकार के तहत आती है। जिस तरह सीवर जाम पड़े हैं, उसी तरह नाले भी जाम पड़े हैं। क्षेत्रीय इंजीनियर और कर्मचारियों के उत्तरदायित्व का निर्धारण करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाईं होनी चाहिए। पुलिस, डीडीए और दानिक्स वैडर के अधिकारियों से संबंधित जब भी कोईं लापरवाही सामने आती है तो उपराज्यपाल विनय सक्सेना की आलोचना होती है, किंतु यहां तो मुख्यमंत्री तिहाड़ जेल में हैं, भला उनको जिम्मेदार वैसे ठहराया जा सकता है। विडम्बना देखिए कि आम आदमी पार्टी बनी ही थी दिल्ली में बिजली, पानी, सीवर सफाईं जैसी मूल भूत सुविधाओं को लेकर किंतु आज इसी पार्टी की सरकार में छात्र व्यवस्था की निर्मम लापरवाही के शिकार हो तड़पकर मर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 5 साल में 1.11 लाख करोड़ का ऋण उपलब्ध करवाया : मदन राठौड़

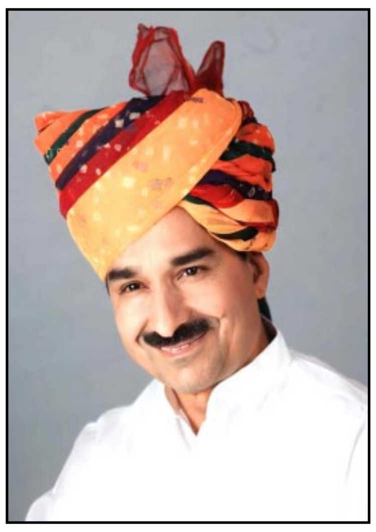

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने राजस्थान के युवाओं के सपनों को पूरा करने वाली केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को लेकर राज्यसभा में सवाल लगाया है। राठौड़ ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत राजस्थान में सफल हुए युवा नव उद्यमियों को बधाई दी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को केंद्रीय बजट 2024-25 में मुद्रा योजना के तहत ऋण राशि 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने पर आभार व्यक्त किया। सांसद मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के सर्वाधिक युवाओं को लाभान्वित होने पर नव उद्यमियों को शुभकामनाएं भी दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सांसद मदन राठौड़ के राज्यसभा में लगाए गए सवाल के जवाब में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से युवा उद्यमियों को रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता मुहैया करवाने के उद्देश्य से 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) शुरू की थी। योजना के तहत शुरू में 50 हजार से लेकर 10 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में इस राशि को बढ़ाकर 20 लाख रूपए कर दिया गया। इस योजना में कोई भी नव उद्यमी जो लघु व्यवसाय शुरू करना चाहता है वो योजना के तहत ऋण प्राप्त कर सकता है। इस योजना के तहत सरकार की ओर से तीन चरणों में ऋण मुहैया करवाया जाता है, जिसमें प्राथमिक चरण शिशु के तहत 50 हजार तक, दूसरे चरण किशोर में 50 हजार से लेकर 5 लाख और तीसरे चरण में तरूण अवस्था में 5 लाख से 10 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत राजस्थान में अप्रैल 2019 से लेकर जून 2024 तक पांच साल के दौरान 1 करोड 41 लाख खाताधारकों को 1.11 लाख करोड़ रूपए का ऋण उपलब्ध करवाया गया। इसमें राजस्थान के बांसवाड़ा में सर्वाधिक 8 लाख 83 हजार 185 खाताधारकों को ऋण उपलब्ध करवाया गया। 8 लाख 59 हजार 754 खाताधारकों के साथ जयपुर प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। इसी तरह उदयपुर, अजमेर, डूंगरपुर, नागौर, अलवर, गंगानगर, कोटा और जोधपुर टॉप 10 की सूची में है। पाली जिले में केंद्र सरकार की ओर से 3 लाख 69 हजार 583 खाताधारक इस योजना से लाभान्वित हुए।

एकमुश्त बिजली बिल जमा करने पर मिलेगी पांच प्रतिशत की छूट

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने बिजली का बिल नहीं भरने वाले घरेलू डिफाल्टरों के लिए एकमुश्त योजना शुरू की है। गुरुवार से शुरू हुई यह योजना 30 अगस्त तक चलेगी। जिसके तहत डिफाल्टर को एक माह के भीतर एक ही बार में बकाया बिल भरने पर पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। प्रदेश में इस समय उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण के अंतर्गत आते घरेलू उपभोक्ताओं की तरफ 5064 करोड़ रुपए बकाया है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम के एक लाख 53 हजार 751 शहरी उपभोक्ताओं की तरफ 231.73 करोड़, तीन लाख 74 हजार 952 ग्रामीण उपभोक्ताओं की तरफ 1109.26 करोड़ बकाया है। इसी प्रकार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले दो लाख 66 हजार 341 शहरी उपभोक्ताओं पर 518.40 करोड़ तो सात लाख 40 हजार 474 ग्रामीण उपभोक्ताओं की तरफ 3206.26 करोड़ रुपए बकाया हैं। सरकार द्वारा लागू की गई सरचार्ज माफी योजना का लाभ केवल घरेलू कैटेगरी के उपभोक्ताओं को मिलेगा। इस स्कीम के तहत ग्रामीण और शहरी इलाके में रहने वाले वे सभी उपभोक्ता आएंगे, जिनके कनेक्शन या तो अभी चल रहे हैं या डिस्कनेक्ट हो चुके हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने गुरुवार को योजना के बारे में सर्कुलर जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि इस स्कीम के अंतर्गत उन उपभोक्ताओं को कवर किया गया है, जो 31 दिसंबर 2023 तक डिफॉल्टरों की सूची में शामिल थे। अभी तक बिल न भरने डिफाल्टरों को राहत दी गई है, लेकिन नोटिफिकेशन की तारीख तक जितना सरचार्ज होगा, उसे फ्रीज कर दिया जाएगा। बिजली उपभोक्ताओं को नोटिफिकेशन की डेट तक एक बार में बिल देने के लिए मासिक या द्विमासिक भुगतान करने का विकल्प दिया गया है। यह योजना 31 अगस्त तक प्रभावी रहेगी। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डेट को आगे बढ़ाने पर फैसला केवल सरकार ही ले सकती है। इस स्कीम में भाग लेने का इच्छुक उपभोक्ता यदि किस्तों में भुगतान करने में विफल रहता है या फिर 6 महीने, 3 महीने, 2 महीने चालू बिलों के भुगतान करने से चूक जाता है तो उससे पूरी सरचार्ज राशि वसूल की जाएगी। उसे योजना से बाहर माना जाएगा।

जयपुर में झमाझम बारिश, कई इलाकों में पानी भरा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मानसून दोबारा सक्रिय हो गया है। जयपुर, सीकर सहित कई जिलों में बुधवार रात से तेज बारिश हो रही है। लगातार बरसात से कई इलाकों में पानी भर गया है। बारिश के कारण यातायात में परेशानी आ रही है, कई मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। जयपुर के पॉश इलाकों में भी एक-दो फीट तक पानी जमा हो गया है। शहर के विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया के एक घर के बेसमेंट में पानी भरने से परिवार फंस गया है। करीब तीन घंटे से सिविल डिफेंस की टीम परिवार की तलाश कर रही है। करतारपुरा नाले में भी उफान है। अजमेर रोड व सीकर रोड पर भी पानी भरने से खतरा बढ़ गया है। जयपुर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाहर भी पानी भरने से पैसेंजर्स को परेशानी हो रही है। मौसम केंद्र जयपुर ने गुरुवार को नौ जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी में लगातार बारिश का दौर चलने के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है। जगतपुरा इलाके में पुलिया के नीचे पानी जमा होने से कई वाहन फंसे रह गए। गांधीनगर रेलवे स्टेशन से पहले कई ट्रेनों को रोक दिया गया। गोमती एक्सप्रेस ट्रेन को भी खातीपुरा स्टेशन पर खड़ा कर दिया। जिससे

कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जयपुर में सुबह से हो रही भारी बारिश के चलते कई स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। झोटवाड़ा स्थित एक निजी स्कूल ने सुबह ही अभिभावकों को मैसेज भेजकर अवकाश की सूचना दी है। उल्लेखनीय है कि बीते कई दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण भी शहर में कचरा नहीं उठ पा रहा है, ऐसे में बारिश में और ज्यादा हालात खराब हो गई है। जगह-जगह कूड़े का ढेर होने के कारण जलजमाव अधिक है।

उप्र को एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में सहायक होगा यह बजट : आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को लेकर जो सपने गढ़े गए उसी को लेकर यह अनुपूरक बजट लेकर आए। अटल जी ने कहा था कि सपने गढ़ें, अगर वे टूटे तो फिर से गढ़ें। उन्होंने कहा कि मूल बजट 15-16 की तुलना में दोगुने से अधिक है। फरवरी में मूल बजट आया। 44 फीसद बजट रिलीज हुआ। 20 फीसद खर्च हुआ है। यह तब हुआ जब दो माह चुनाव में चले गए। यह दिखाता है कि हमारी दिशा सही है। इसीलिए सप्लीमेंट्री बजट की जरूरत पड़ी। वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार बनी थी तो उत्तर प्रदेश देश में छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था थी। आज पहचान का संकट नहीं है। आज लोग यूपी को सम्मान से देखते हैं। आज हम दूसरी अर्थव्यवस्था हैं। गांव, गरीब, महिलाओं तक योजनाओं को पहुंचाने में सफलता मिली है। प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी करने में भी हमें सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र को आज देश की अर्थव्यवस्था में अपना जीडीपी शेयर बढ़ाने में भी सफलता

मिली है। आज देश की जीडीपी में 8-9 फीसदी का हमारा योगदान है। इसके लिए टैक्स चोरी रोकने के उपाय करने पड़े। डीबीटी का बड़ा योगदान है। 2014 में भारत 10वीं अर्थव्यवस्था था। आज पांचवीं अर्थव्यवस्था है। अगले तीन वर्ष में तीसरी अर्थव्यवस्था होगा। इसमें राज्यों का बड़ा योगदान हो सकता है। हमारी सरकार ने तय एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनने का निर्णय किया है। इसी दिशा में यह अनुपूरक बजट भी है। हमारी सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 10 सेक्टर तय किये हैं। भारत नेपाल सीमा पर तोरण द्वार बनने जा रहा है। इसी प्रकार राज्यों की सीमा पर भी उत्तर प्रदेश में आगंतुकों का स्वागत करते हुए तोरण द्वार बनाएंगे। इस पर कार्य हो रहा है। योगी ने हवाई अड्डों के निर्माण की अपनी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका अदा करेगा। मेरठ से दिल्ली के बीच की दूरी कम होने के बावूजद यात्रा में काफी समय लगता था। आज समय बहुत कम हुआ है। 27 सेक्टोरियल पॉलिसी भी हम लोगों ने प्रदेश में बनाई है। ओडीओपी योजना लेकर आए, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना महत्वपूर्ण हैं। ओद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रयास किये गए हैं। सपा सरकार में स्थानीय उत्पाद दम तोड़ रहे थे। आज उसे बढ़ावा दिया जा रहा है। पहले 86 हजार करोड़ एक्सपोर्ट था, आज दो लाख करोड़ निर्यात हो रहा है।

अनुसूचित जाति के उद्यमियों को प्रमुख उद्योगों के साथ जोड़ने को बनेगी योजना : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेकहा कि हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों को प्रमुख उद्योगों के साथ जोड़ने के लिए एक व्यापक योजना बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है ताकि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री सैनी गुरुवार को चंडीगढ़ में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में उन्होंने प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न पहलों पर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों की

सहायता के लिए भी नई योजनाएं बनाने की दिशा में बढ़ रही है ताकि छोटे उद्यमियों को बड़े बाजार उपलब्ध हो सके। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के साथ मिलकर नई योजनाएं बनाने पर विचार करेगा ताकि प्रदेश में अनुसूचित जाति के छोटे उद्यमियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी डिक्की की चलाई जा रही पहलों और अन्य राज्यों में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसिस का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और विदेश सहयोग विभाग के अधिकारियों को दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर इस दिशा में रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विदेश सहयोग विभाग द्वारा पहले से युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाने और औद्योगिक इकाइयों को विदेशों में उत्पाद निर्यात करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बैठक में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि डिक्की एक भारतीय संघ है, जो दलित व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देता है। बैठक में सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी. अनुपमा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार गुप्ता, उच्चतर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डी सुरेश, मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव आशिमा बराड़, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक यश पाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में संगठित अपराधों को रोकने के लिए 16 दिसंबर 2023 को एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसके अलावा प्रत्येक जिले में पुलिस निरीक्षक की अगुवाई में 7 से 15 पुलिस कर्मियों की स्पेशल टीम का गठन भी किया गया है। सुरक्षात्मक उपाय करते हुए अपराधियों के डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ी गई है। विधानसभा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को ये जानकारी दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृहमंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र किशनगढ़ के मदनगंज एवं गांधीनगर में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी के मामले सामने आए हैं। इन चोरियों की रोकथाम के लिए इन इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ाने के निर्दश दिए गए हैं। इससे पहले विधायक विकास चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र किशनगढ़ के पुलिस थानों में माह जनवरी, 2024 से माह जून, 2024 तक चोरी के कुल 138 प्रकरण दर्ज हुए व लूट के कुल 12 प्रकरण दर्ज हुए एवं डकैती का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। उन्होंने उक्त प्रकरणों में बरामदगी का संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

स्वतंत्रता सेनानी शत्रुघ्न बाबू की जंयती समारोह में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री व कुलपति

नवादा (हिंस)। मगध विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई टीएस कॉलेज हिसुआ में महान स्वतंत्रता सेनानी टी एस कॉलेज हिसुआ के संस्थापक सचिव, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री स्व शत्रुध्न शरण सिंह की 115वी. जयंती 3 अगस्त को समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही, कुलसचिव डॉ. विपीन कुमार, कुलानुशासक प्रो उपेन्द्र कुमार,बिहार सरकार के पूर्व मंत्री नीरज कुमार, हिसुआ विधायक नीतू कुमारी, विधायक अरुणा देवी, अनिल कुमार, अशोक कुमार यादव, साहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। शिक्षक संघ के सचिव डॉ. अंजनी कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को महाविद्यालय का एक प्रतिनिधिमंडल मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही से मिलकर इजराइल में हुए अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में कुलपतियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बधाई दिया एवं 3 अगस्त को शत्रुध्न शरण सिंह के जयंती समारोह में शामिल होने हेतु आग्रह किया।

विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस के झूठ और भ्रम फैलाने का हिसाब लेगी : मदन चौहान

यमुनानगर (हिंस)। पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि जितने विकास कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पिछले 10 साल में हुए हैं, इससे पहले सरकार में कभी भी इतने विकास कार्य नहीं हुए। उनके जिले के साथ कांग्रेस सरकार ने भेदभाव किया और केवल अपने जिले में ही विकास कार्य किए, जबकि यमुनानगर को अछूता रखा गया। जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी इस जिले में विकास कार्य तेज गति से हुए। गुरुवार को अपने निवास पर आमजन की समस्याओं को लेकर पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि विपक्ष का काम केवल बोलना होता है। जनता जानती है कि भाजपा ने प्रदेश में कितना काम किया है। यही कारण है कि जनता आज भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जिला की जगाधरी, यमुनानगर, रादौर, सढौरा विधानसभा सीटों पर भाजपा चुनावों में विजय पताका लहराएंगी। कांग्रेस की कुटिलता को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा की जनता कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का कोई विजन नहीं है, कांग्रेस सिर्फ झूठ और छल-कपट की राजनीति के सहारे सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है, जिसे जनता कभी पूरा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता का भाजपा में विश्वास है। आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस से झूठ और भ्रम फैलाने का हिसाब-किताब लेगी। उन्होंने कहा कि हमारे निष्ठावान कार्यकर्ताओं की ताकत और जनता के समर्थन से हरियाणा में तीसरी बार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

सभी चौराहों पर मेनिफेस्टो के लिए सुझाव पेटी रखेंगे : विधायक जयवीर

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा के विधायक जयवीर वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार के 10 वर्षों का कार्यकाल जनता देख चुकी है। हर वर्ग को दुखी है। जबकि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हर ओर विकास को ऊंची परवाज मिली थी। कांग्रेस विधायक जयवीर वाल्मीकि गुरुवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईटीआई, बाईपास सरकारी अस्पताल, तहसील कार्यालय, अग्निशमन केंद्र का निर्माण, आईएमटी के लिए भूमि अधिग्रहण व अन्य सुविधाएं देकर कस्बे को शहर बनाने का काम किया था। प्रत्येक गांव में विकास कार्यों के लिए सबसे अधिक धनराशि उपलब्ध कराई गई थी। मौजूदा सरकार में किसान, कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर धरने प्रदर्शन कर रहे हैं। अपराध का ग्राफ काफी बढ चुका है। 11 अगस्त को दीपेंद्र हुड्डा शहर की पूर्व वाटिका से अंबेडकर चौक तक पदयात्रा करेंगे। भारी संख्या में शामिल हों।

राजस्थान में कृषि उत्पादन बढ़ाने में कृषि विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान : कुलपति

बीकानेर (हिंस)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) के 38वें स्थापना दिवस व गांव पेमासर को गोद लेने के उपलक्ष्य में गुरुवार को समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप सभागार में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, अति विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जयपुर के पूर्व निदेशक डॉ. रमेश मित्तल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ. एके गहलोत, कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, समेत विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, कृषि वैज्ञानिक समेत केवीके, कृषि अनुसंधान केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, पेमासर गांव से आए बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। इस अवसर पर किसान ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा दिए जाने वाले चौधरी चरण सिंह स्मृति पुरस्कार से कृषि ऑनर्स विषय के वर्ष 2022-23 के टॉपर अंकुश कुमार और दूसरे स्थान पर रही खुशी सैनी को सम्मानित किया गया। साथ ही डीपीएमई द्वारा तैयार पुस्तक *रोडमैप टू अचीव यूनिवर्सिटी विजन* का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व कृषि अनुसंधान केंद्र, खजूर अनुसंधान केंद्र, प्रसार शिक्षा निदेशालय और कृषि महाविद्यालय बीकानेर की ओर से प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसका अवलोकन अतिथियों ने कर विभिन्न कृषि उत्पादों व उनके वैल्यू एडिशन कार्यों की प्रशंसा की। समारोह में मुख्य अतिथि राजुवास कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग ने कहा कि राजस्थान में पिछले 37 सालों से इस कृषि विश्वविद्यालय का कृषि उत्पादन बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान रहा है। सरसों, बाजरा समेत कई फसलों के उत्पादन में राजस्थान पूरे भारत में नंबर वन पर है। कृषि विश्वविद्यालय से गांव के लोग जुड़ेंगे तो उन्हें बड़ा फायदा होगा। पेमासर गांव को गोद लेने को लेकर कहा कि इस गांव को पशुपालन से संबंधित कोई आवश्यकता होगी तो राजुवास इसमें सदैव सहयोग करेगा। उन्होने बताया कि जल्द ही राजुवास पशु आहार का उत्पादन भी करेगा। जिला कलेक्टर वृष्णि ने कहा कि जब भी मैं कृषि विश्वविद्यालय आती हूं तो मुझे यहां बहुत अच्छी फीलिंग आती है। उन्होने कहा कि विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गांव पेमासर के विकास में जिला प्रशासन भी पूरा सहयोग करेगा। विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जयपुर के पूर्व निदेशक डॉ. रमेश मित्तल ने कृषि विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ. केएन नाग स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत किया। साथ ही बताया कि अब आईआईटी व आईआईएम के स्टूडेंट्स भी कृषि से संबंधित स्टार्टअप ला रहे हैं। युवा वर्ग कृषि को कृषि कार्यों के साथ साथ कृषि व्यवसाय व कृषि विपणन के रूप में देखें। इससे पूर्व राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ. ए.के.गहलोत ने कहा कि राजुवास व कृषि विश्वविद्यालय दोनों मिलकर कार्य करेंगे तो किसानों को ज्यादा फायदा होगा। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय पिछले 37 वर्षों से किसानों के हित में कार्य कर रहा है। आगे भी हम किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने का पूरा प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि गोद लिए गए गांव पेमासर को जिला प्रशासन व राजुवास के सहयोग से आदर्श गांव बनाएंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के आगे द्वीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत भाषण कुलसचिव डॉ. देवा राम सैनी ने देते हुए कृषि विश्वविद्यालय की पिछले 37 सालों की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। अनुसंधान निदेशक पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ. आईपी सिंह, कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव और अतिरिक्त निदेशक प्रसार डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने पेमासर गांव में किए जाने वाले कार्यों के बारे में प्रेजेंटेशन दिया। पेमासर गांव से आए अर्जुन और अन्य महिलाओं ने गांव की समस्याओं के बारे में बताया। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन आईएबीएम की सहायक आचार्य डॉ. अदिति माथुर व सामुदायिक व्ज्ञिान महाविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम के आखिर में सांस्कृतिक प्रस्तुति ने समां बांध दिया। कृषि विश्वविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित आवासीय छात्रावासों के सामने, मंदिर परिसर, सड़क के बीच में डिवाइडर पर कुल 900 पौधों का रोपण किया गया। सुबह करीब साढ़े सात

माता-पिता को बहंगी पर लेकर बैद्यनाथ धाम जा रहे आज के श्रवण कुमार

भागलपुर (हिंस)। सावन को लेकर कांवरिया पथ पर नित्य दिन अलौकिक और विहंगम दृश्य देखने को मिल रहे हैं। कई दृश्य ऐसे दिख रहे हैं, जो श्रद्धालुओं का बाबा बैद्यनाथ के प्रति आस्था को दर्शाता है। गुरुवार को कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। मां पिता को बैद्यनाथ धाम के दर्शन करवाने के लिए जहानाबाद का चंदन श्रवण कुमार की भूमिका में नजर आए। दरअसल चंदन अपनी पत्नी के साथ मां पिता को बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए बहंगी पर ले जा रहे हैं। बहंगी के अगले हिस्से को चंदन तो पिछले हिस्से को चंदन की पत्नी रानी ने पकड़ा है। साथ ही पूरे रास्ते परिवार के लोगों के साथ साथ अन्य श्रद्धालु भी साथ दे रहे हैं। कांवरिया पथ पर लोग चंदन को कलियुग का श्रवण कुमार बता रहे हैं। साथ ही जहां वह थककर रुकते हैं,

वहां भीड़ उमड़ जा रही है। हर कोई इन्हें देखने के लिए रुक जा रहे हैं और साथ तस्वीर लेते भी नजर आ रहे हैं। चंदन दूसरी बार बहंगी पर मां पिता को लेकर बैद्यनाथ धाम जा रहे हैं। आज उन्होंने सुल्तानगंज अजगैबीनाथ में जल भरा है और अगले सोमवार पर जल चढ़ाने की लक्ष्य रखा है। चंदन और उनकी पत्नी इसे अपना कर्तव्य बता रहे हैं। वो कहते हैं अपने मन से इन्हें लेकर जा रहे हैं। हमारा कर्तव्य बनता है कि मां पिता की सेवा करें। सच मे भगवान चंदन जैसा बेटा और रानी जैसी बहु सबको दे।

पिछले महीने धीमी रही भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर

नई दिल्ली।
भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार की वजह से जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। वहीं लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.67 डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 83.67 प्रति डॉलर पर खुला। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर में मामूली गिरावट आई लेकिन ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित हो गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.67 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त है। शुरुआती सौदों में उसने 83.67 से 83.69 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार किया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.96 पर रहा।

न्यूज ब्रीफ

सरकार अब आज से 50 रुपये प्रति किलो के भाव से बेचेगी टमाटर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लोगों को राहत देने के लिए शुक्रवार से 50 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर बेचेगी। सरकार अभी भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोकता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिए 60 रुपये किलोग्राम के भाव पर उपभोक्ताओं को टमाटर बेच रही है। हालांकि, खुदरा बाजार में यह 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दर पर बिक रहा है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने गुरुवार को यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 'हम दो अगस्त, शुक्रवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और मुंबई में 50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेचना शुरू करेंगे। फिलहाल एनसीसीएफ मोबाइल वैन के जरिए दिल्ली-एनसीआर के 16 और मुंबई में चार जगहों पर 60 रुपये प्रति किलो टमाटर बेच रहा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई को टमाटर की अखिल भारतीय औसत कीमत 61.74 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इससे एक दिन पहले दिल्ली में टमाटर की औसत कीमत 70 रुपये प्रति किलोग्राम थी। दरअसल पिछले महीने टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई थी। इसकी वजह कई उत्पादक राज्यों में गर्मी और अनियमित बारिश के कारण टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हुई थी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री इसी हफ्ते शुरू की थी। इसके बाद मुंबई में भी एनसीसीएफ ने टमाटर की बिक्री शुरू की है।

विंडफॉल टैक्स घटकर हुआ 4,600 रुपये प्रति टन, नई दरें लागू

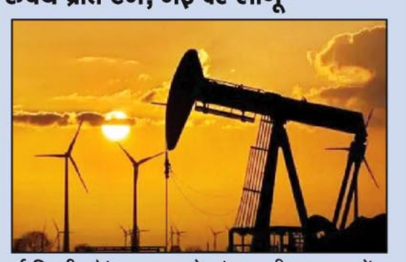

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम में गिरावट के बीच घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में 34.2 फीसदी की कटौती की है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 7 हजार रुपये प्रति टन से घटाकर अब 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले दर को शून्य पर बरकरार रखा गया है। इससे पहले पिछले महीने 16 जुलाई में घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया था। वहीं, सरकार ने डीजल, पेट्रोल और विमानन ईंधन एटीएफ पर लगने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य पर बरकरार रखा है। उल्लेखनीय है कि हर पखवाड़े विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

सीगल इंडिया का आईपीओ खुला, 5 अगस्त तक निवेश कर सकेंगे निवेशक

नई दिल्ली। सीगल इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को निवेशकों के लिए खुल गया है। निवेशक इस आईपीओ के लिए 5 अगस्त 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए 1252.66 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। ढांचागत क्षेत्र की सीगल इंडिया लिमिटेड ने अपने आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 380-401 रुपये प्रति शेयर तय किया है। सीगल इंडिया का आईपीओ बोली लगाने के पहले दिन 12:40 बजे तक 0.24 गुना बुक हो चुका है। इस आईपीओ का खुदरा हिस्सा अब तक 0.40 गुना भर चुका है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशन इंवेस्टरर्स का हिस्सा 0.34 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। कंपनी का बुक बिल्ड इश्यू बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट किया जाएगा। निवेशक एक के हिसाब से आईपीओ के लिए अप्लाई कर सकते हैं, कंपनी के इश्यू लॉट में 37 शेयर शामिल हैं। कंपनी इस निर्गम से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए करेगी।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद

सेंसेक्स 81,867 पर बंद, निफ्टी पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा

मुम्बई।
घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को भी तेजी रही। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुए। निफ्टी पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.21 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 81,867.55 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 59.75 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी बढ़कर पहली बार 25,000 के ऊपर जाने के बाद 25,010.90 के सबसे उच्च स्तर पर बंद हुआ।

गुरुवार को कारोबार में सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, भारती एयरटेल, रिलायंस, जेएस्डब्लूय स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, एचयूएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर भी लाभ के साथ बढ़े हैं।

दूसरी ओर 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें एमएंडएम , टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एसबीआई और टाटा मोटर्स के शेयर रहे। इसके अलावा, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनैंस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये।

वहीं गुरुवार को एशियाई बाजार में गिरावट रही। जापान के निक्केई में 2.58 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.36 फीसदी की गिरावट है। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.26 फीसदी की गिरावट है। गत दिवस अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.24फीसदी चढ़कर 40,842 पर बंद हुआ। नेसडेक 2.64 फीसदी की बढ़त के साथ 17,599 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.58 फीसदी की तेजी रही।

गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था

इससे पहले गुरुवार सुबह बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 388 अंकों की बढ़त के साथ 82,000 का आंकड़ा पार कर पहली बार 82,129.49 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी50 127 अंकों की बढ़ोतरी के साथ पहली बार 25,000 के आंकड़े को पार कर 25,078.30 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा। व्यापक बाजारों में भी तेजी देखी गई। स्मालकैप 0.44 फीसदी बढ़ा जबकि मिडकैप में 0.35 फीसदीकी तेजी देखी गई।

एफडीआई आकर्षित करने रणनीतिक सुधार जरूरी : जीटीआरआई

नई दिल्ली। देश में वैश्विक निवेशकों को ओर अधिक आकर्षित करने रणनीतिक सुधारों की जरूरत है, क्योंकि प्रचुर संभावनाएं होने के बावजूद एफडीआई आंकड़े यह बताते हैं कि देश ने अपने अवसरों का पूरी तरह से लाभ नहीं लिया है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने गुरुवार को यह बात कही। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने चार-चरणीय योजना का सुझाव दिया और कहा कि भारत को विदेशी निवेशकों के लिए एक अग्रणी विकल्प के रूप में स्थापित करने में मदद करने वाले उपायों में देश में स्थानांतरित होने वाली कंपनियों के लिए लागत संबंधी नुकसान को कम करना, समूचे कारोबारी चक्र में व्यापार सुगमता में सुधार करना और निवेश प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना शामिल है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 44.4 अरब अमरीकी डॉलर का एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) आकर्षित किया, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 1.1 प्रतिशत है। आर्थिक शोध संस्थान ने कहा कि विश्व विकास रिपोर्ट 2023 में उल्लेख है कि देश चीन (189.1 अरब अमरीकी डॉलर), ब्राजील (86.1 अरब अमरीकी डॉलर), ऑस्ट्रेलिया (61.6 अरब अमरीकी डॉलर) और कनाडा (52.6 अरब अमरीकी डॉलर) जैसे देशों से काफी पीछे है। जीटीआरआई ने सुझाव दिया गया कि भारत को चीन से स्थानांतरित होने वाले या वैकल्पिक उत्पादन स्थानों पर विचार करने वाले व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी लागत संरचना की पेशकश करनी चाहिए। इसके लिए भारत को चार लागत-संबंधी घटकों श्रम, दर सामग्री, ऊर्जा और वित्तीय लागत पर ध्यान देने की जरूरत है।

देश के सैकड़ों बैंकों पर रैनसमवेयर अटैक से कामकाज ठप

नई दिल्ली।
देश के करीब 300 बैंक पर साइबर अटैक की चपेट में आ गए हैं, जिससे यूपीआई, नेफ्ट सहित कई बैंकिंग सेवाएं ठप हो गई हैं। नेशनल बैंकिंग सिस्टम ने एक नोटिस जारी कर जानकारी दी कि कुछ बैंकों में यूपीआई, आईपीएमएस और अन्य पेमेंट सिस्टम ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

दरअसल, बैंकों को टेक्निकल सपोर्ट उपलब्ध कराने वाली कंपनी सी-एज टेक्नोलॉजीस पर रैनसमवेयर अटैक किया गया है जिसकी वजह से 300 बैंकों में कामकाज ठप हो गया है। मामला सामने आने के बाद नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने कंपनी पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोटिस जारी करते हुए कहा कि पेमेंट इको-सिस्टम पर बड़े प्रभाव को रोकने के लिए एनपीसीआई ने सीएज टेक्नोलॉजी को एनपीसीआई द्वारा संचालित खुदरा पेमेंट सिस्टम तक पहुंचने से अस्थायी रूप से अलग कर दिया है। सीएज की ओर सर्विस लेने वाले बैंकों के ग्राहक कुछ समय तक पेमेंट सिस्टम का उपयोग नहीं कर पाएंगे। एनपीसीआई के मुताबिक सीएज एक टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। ज्यादातर इसकी सर्विस का इस्तेमाल को-ऑपरेटिव और क्षेत्रीय बैंक करते हैं। ऐसे में इन बैंक पर रेनसोमवेयर का प्रभाव अधिक रहा है। बताया गया है कि गुजरात के 17 जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक प्रभावित हुए हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 8.50 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। बजट पेश होने के बाद लोगों को महंगाई पहला झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस की कीमत में 8.50 रुपये प्रति सिलेंडर तक की बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें (आज) गुरुवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल गैस की कीमत अब 6.50 रुपये बढ़कर 1652.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया हैं, जो पहले 1646 रुपये में मिल रहा था। कोलकाता में यह 8.50 रुपये बढ़कर 1764.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1756 रुपये में मिल रहा था। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 7 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़कर 1605 रुपये हो गई है। यह पहले 1598 रुपये में बिक रहा था।

प्रह्लाद जोशी ने पीएमएस मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को किया लॉन्च

नई दिल्ली।
केंद्रीय उपभोक्ता खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी ने गुरुवार को मूल्य निगरानी प्रणाली (पीएमएस) मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को लॉन्च किया। इस एप के जरिए अब कुल 38 वस्तुओं के मूल्य की निगरानी की जाएगी।

प्रह्लाद जोशी ने यहां मूल्य निगरानी प्रणाली मोबाइल एप के 4.0 संस्करण को लॉन्च करते हुए कहा कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक अगस्त, 2024 से मूल्य निगरानी के तहत 16 अतिरिक्त वस्तुओं को शामिल किया है। जोशी ने बताया कि पहले दैनिक मूल्यों की निगरानी के तहत 22 वस्तुओं को इसमें शामिल किया गया था, जो बढ़कर अब 38 हो जाएंगी।

उपभोक्ता मामलों का विभाग 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 550 केंद्रों से दैनिक कीमतों की निगरानी कर रहा है। इस एप के जरिए जोड़ी गईं नए 16 वस्तुओं में बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी (गेहूं), मैदा (गेहूं), बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर और केला को शामिल है। गौरतलब है कि विभाग द्वारा निगरानी किए गए मूल्य डेटा सरकार, आरबीआई और विश्लेषकों को सीपीआई मुद्रास्फीति के बारे में नीतिगत निर्णय के लिए अग्रिम इनपुट प्रदान करते हैं। इन 38 वस्तुओं का कुल सीपीआई भार में लगभग 31 फीसदी हिस्सा है, जबकि 22 वस्तुओं का सीपीआई भार 26.5 फीसदी है।

31 जुलाई तक 7 करोड़ लोगों ने भरा इनकम टैक्स

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से आईटीआर जमा करने के लिए 31 जुलाई की आखिरी तारीख तय की गई थी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बताया है कि बुधवार शाम 7 बजे तक 7 करोड़ से भी ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल हो चुके हैं। डिपार्टमेंट ने कहा कि 31 जुलाई को ही 50 लाख से ज्यादा आईटीआर दाखिल किए गए। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, 31 जुलाई तक 7 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं। इनमें से 50 लाख से ज्यादा आईटीआर बुधवार शाम सात बजे तक दाखिल किए गए हैं। 31 जुलाई, 2023 तक असेसमेंट ईयर 2023-24 (वित्त वर्ष 2022-23) के लिए दाखिल किए गए आईटीआर की कुल संख्या 6.77 करोड़ से ज्यादा थी।

32,403 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी, इन्फोसिस को मिला नोटिस

नई दिल्ली।
जीएसटी चोरी को लेकर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस को नोटिस मिला है. ये नोटिस 32,403 करोड़ रुपये का है. इसके बारे में बीएसई को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि उन्होंने ये नोटिस कर्नाटक राज्य जीएसटी प्राधिकरण से मिला है।

कब से जुड़ा है ये नोटिस

आईटी कंपनी इन्फोसिस लिमिटेड को मिला ये जीएसटी का नोटिस विदेशों में स्थित कंपनी की ब्रांच में हुए खर्चों से संबंधित है. जो जुलाई, 2017 से मार्च, 2022 से जुड़ा है. कंपनी पर सर्विसेज इंपोर्ट करने पर लगने वाले आईजीएसटी का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

इन्फोसिस दे रही जवाब

इन्फोसिस का कहना है कि उन्होंने जीएसटी नोटिस के लिए जवाब देने की प्रक्रिया में है. इस मामले पर कंपनी को जीएसटी इंटेलिजेंस के डीजी से भी नोटिस मिला है. जिनका जवाब दिया जा रहा है. कंपनी का मानना है कि जिन खर्चों से जुड़ा जीएसटी नोटिस उन्हें मिला है उन खर्चों पर जीएसटी लागू नहीं होता. कंपनी का कहना है कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा मिले नोटिस में विदेशी शाखाओं में दी जाने वाली सेवाओं को जीएसटी के अंतर्गत नहीं माना जाता है. इसलिए कंपनी को उन सेवाओं के लिए टैक्स के भुगतान करने की जरूरत नहीं है. इस बात का उन्होंने नोटिस का जवाब देते समय जाहिर किया।

पहले भी हो चुका है जीएसटी को लेकर विवाद

कंपनी ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने सभी जीएसटी बिलों का भुगतान कर दिया है. अब उनके ऊपर कुछ भी बकाया नहीं है. वे केंद्र और राज्य सरकार के बनाए सभी नियमों का पालन कर रहे हैं।

इसके पहले ओडिशा जीएसटी अथॉरिटी ने अप्रैल महीने में कंपनी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के लिए गलत तरीके का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था. जिसके बाद कम्पनी पर 1.46 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई।
ओला इलेक्ट्रिक देश में ई-स्कूटर बाजार में सबसे बड़ी कंपनी में से एक है। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए दो अगस्त को खुलेगा। ओला का इश्यू के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य है। ओला इलेक्ट्रिक का लगभग 74 करोड़ डॉलर का आईपीओ किसी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता की तरफ से लॉन्च किया जा रहा पहला पब्लिक इश्यू है। एक अखबार में कंपनी के विज्ञापन के अनुसार आईपीओ के प्राइस बैंड 72-76 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ में बोली लगाने वाले एलिजिबल कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर 7 रुपये की छूट दी जायेगी। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 2 अगस्त को खुलेगा और यह बोली लगाने के लिए 6 अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी अपने आईपीओ नए शेयर और 8.49 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी की पिछली पेशकश के मुकाबले ओएफएस का आकार 9.52 करोड़ शेयरों से घटाया गया है। अग्रवाल इसमें अपने 3.79 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रहे हैं, यह कंपनी के डीआरएचपी में बताए गए 4.74 करोड़ के मुकाबले कम है। अग्रवाल के बाद, सॉफ्टबैंक विजन फंड्स-2 इस आईपीओ में सबसे ज्यादा 2.38 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रही है। कंपनी ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि वह आईपीओ से मिलने वाली राशि में 1600 करोड़ रुपये रिसर्च एवं डेवेलपमेंट) पर, 1227.6 करोड़ रुपये अपनी निर्माण इकाई के विस्तार पर खर्च करेगी। कंपनी पूरी तरह या आंशिक रूप से कर्ज चुकाने के लिए भी 800 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल करेगी। ईवी कंपनी का आईपीओ 9 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया जा सकता है। इसके साथ ही आईपीओ लाने वाली यह पहली भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी बन जाएगी।

सोना 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 84,900 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव कारोबार में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,000 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 339 रुपये की तेजी के साथ 69,994 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 365 रुपये की तेजी के साथ 70,020 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 173 रुपये की तेजी के साथ 83,769 रुपये पर खुला।

सेमसंग का दूसरी तिमाही में परिचालन लाभ 15 गुना बढ़ा

मुंबई । इस साल की दूसरी तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 15 गुना से अधिक बढ़ गया। परिचालन लाभ बढ़ने का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों के विस्तार के बीच मेमोरी चिप्स की मजबूत मांग बताया जा रहा है।दक्षिण कोरियाई सेमीकंडक्टर और स्मार्टफोन दिग्गज ने एक बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के लिए उसका परिचालन लाभ 10.4 ट्रिलियन वॉन (7.5 बिलियन) रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 670 बिलियन वॉन था।यह पहली बार है जब सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2022 की तीसरी तिमाही के बाद से सात तिमाहियों में 10 ट्रिलियन वॉन से अधिक का परिचालन लाभ दर्ज किया है। सैमसंग ने कहा कि उसकी समेकित राजस्व लगभग 23 फीसदी बढ़कर 74 ट्रिलियन वॉन (53 बिलियन) हो गया। कंपनी ने कहा कि अनुकूल बाजार स्थितियों ने उच्च औसत बिक्री कीमतों को प्रेरित किया, जबकि ऑर्गेनिक लाइट-एमिटिंग डायोड पैनलों की मजबूत बिक्री ने भी बेहतर परिणामों में योगदान दिया। कंपनी ने कहा कि उसके चिप व्यवसाय ने जून तक तीन महीने की अवधि के लिए बिक्री में 28.6 ट्रिलियन वॉन अर्जित किए, जिसमें 6.45 ट्रिलियन वॉन का परिचालन लाभ था। यह कंपनी के प्रमुख व्यवसाय के लिए एक साल से अधिक समय में पहला तिमाही परिचालन लाभ था, क्योंकि यह 2023 की पहली तिमाही से लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहा था।

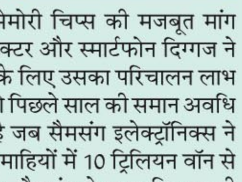

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम अगस्त में सफेद गेंद श्रृंखला के लिए करेगी आयरलैंड का दौरा

कोलंबो। एशिया कप में जीत के बाद श्रीलंकाई महिला टीम 11 से 20 अगस्त तक दो टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए आयरलैंड रवाना होगी, श्रीलंका क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है। टीम 6 अगस्त को आयरलैंड के लिए रवाना होगी।

यह श्रीलंका का आयरलैंड का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, जबकि यह इस साल आयरलैंड का तीसरा और घर पर उनका पहला द्विपक्षीय दौरा होगा, उन्होंने क्रमशः जिम्बाब्वे और यूएई में जिम्बाब्वे और थाईलैंड दोनों के साथ खेला है।

आयरलैंड की टीम ने इस साल अभी तक कोई द्विपक्षीय मैच नहीं हारी है, लेकिन यह एक बहुत कठिन परीक्षा होगी क्योंकि श्रीलंका ने 2024 में खेले गए 23 सफेद गेंद वाले मैचों में से 18 जीते हैं। श्रीलंका का आयरलैंड के खिलाफ बेदाग रिकॉर्ड भी है, उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच जीते हैं। हालांकि, 2017 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर के बाद यह पहली बार होगा जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, जहां श्रीलंका ने शानदार जीत दर्ज की थी। उन्हें 2021 वनडे विश्व कप क्वालीफायर के दौरान भी एक-दूसरे का सामना करना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण क्षेत्र पर लगाए गए महत्वपूर्ण यात्रा प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पूरे टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद वह खेल रद्द कर दिया गया था।

यह दौरा 11 अगस्त को डबलिन में दो मैचों की टी-20 श्रृंखला से शुरु होगा। दूसरा टी20 मैच 13 अगस्त को डबलिन में ही खेला जाएगा। दूसरे टी20 मैच के समापन के बाद, बेलफास्ट में वनडे मैच खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज, जो 2022-2025 आईसीसी महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा होगी, 16 अगस्त से शुरू होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल : काव्या मारन ने की रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग

नई दिल्ली। काव्या कलानिथी मारन ने रिटेन किए जा सकने वाले विदेशी खिलाड़ियों की संख्या पर प्रतिबंध हटाने की मांग की है।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) फ्रैंचाइज़ की सीईओ ने मेगा नीलामी से पहले आईपीएल फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्प का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया है कि जो विदेशी खिलाड़ी मेगा नीलामी में नामांकन नहीं करते हैं या खरीदे जाने के बाद नहीं आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईपीएल टीम मालिकों और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच हुई बैठक में, एसआरएच प्रमोटर ने प्रत्येक फ्रैंचाइज़ के लिए कम से कम छह रिटेंशन या वैकल्पिक रूप से, उतने ही आरटीएम विकल्पों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे चार रिटेंशन और दो आरटीएमएस, या सभी छह रिटेंशन, या सभी छह आरटीएमएस और इसी तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। रिटेंशन या आरटीएम का उपयोग करने का विकल्प फ्रैंचाइज़ के पास खिलाड़ी के साथ चर्चा के आधार पर होना चाहिए। मारन ने उन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की जो अपनी प्रतिबद्धता से मुकर जाते हैं और नीलामी के लिए नामांकन के बाद नहीं आते हैं। एसआरएच वनिन्दु हसरंगा से बहुत नाराज़ थे, जिन्होंने चोट का हवाला देते हुए आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया था।

मुक्केबाज निशांत देव क्वार्टर फाइनल में, पैडलर श्रीजा अकुला का सफर समाप्त

पेरिस। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि पैडलर श्रीजा अकुला चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा में बाहर होकर इतिहास रचने में नाकाम रहीं।

भारतीय मुक्केबाज इक्वाडोर के जोस रोड्रिग्ज के खिलाफ एक नर्वस मुकाबले के बाद अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। वह विभाजित निर्णय के फैसले से मुकाबला जीतने में सफल रहे और पुरुषों के 71 किग्रा क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत ने मुक्केबाजी में सफलता का स्वाद चखा, लेकिन टेबल टेनिस में देश के लिए दिल टूटने की खबर रही। श्रीजा, अपने जन्मदिन पर दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी यिंगशा सुन के खिलाफ हार गईं। अकुला के पास ओलंपिक में टेबल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शामिल होने वाली पहली भारतीय पैडलर बनने का अवसर था। हालांकि, चीन की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को हराने की चुनौती 26 वर्षीय के लिए एक त्रुटिहीन कार्य साबित हुई। अकुला के प्रेरित प्रदर्शन ने उन्हें शुरुआती दो गेम में चीन की पैडलर पर हावी होते देखा। उनके शुरुआती प्रदर्शन ने संकेत दिया कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली पैडलर के रूप में बाहर निकलेंगी। हालांकि, अकुला यिंगशा की ताकत के आगे झुक गईं। पहले गेम में अकुला ने अपने लिए चार गेम प्वाइंट हासिल किए, लेकिन यिंगशा ने लगातार छह अंक जीतकर पहला गेम (10-12) अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति देखने को मिली। अकुला के पास पांच अंकों का बफर था। लेकिन यिंगशा ने साबित कर दिया कि वह नंबर एक रैंकिंग क्यों रखती है और लगातार सात अंक लेकर भारतीय पैडलर पर 2-0 की बढ़त (10-12) ले ली।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

गायकवाड़ लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। वह पिछले महीने तक लंदन में थे और बड़ौदा में उनका निधन हो गया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक बयान में रोजर बिन्नी ने कहा कि अंशुमान गायकवाड़ का क्रिकेट के प्रति समर्पण, लचीलापन और प्यार बेजोड़ था। रोजर बिन्नी ने कहा, अंशुमान गायकवाड़ का निधन भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी क्षति है। खेल के प्रति उनकी लगन, दृढ़ता और प्यार बेजोड़ था। वह सिर्फ एक क्रिकेटर ही नहीं थे, बल्कि कई लोगों के लिए एक मार्गदर्शक और मित्र थे। क्रिकेट समुदाय उन्हें बहुत याद करेगा और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं, जो इस नुकसान से उबर रहे हैं। बीसीसीआई ने 1 करोड़ रुपये दिए और 1983 विश्व कप विजेता टीम ने भी गायकवाड़ के इलाज में मदद की। अक्टूबर 1997 में नियुक्त होने के बाद गायकवाड़ दो बार भारत के कोच रहे। उनका दूसरा कार्यकाल 2000 में शुरू हुआ। उनके कार्यकाल में ही भारत के प्रतिष्ठित स्पिनर अनिल कुंबले ने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ एक पारी में सभी दस विकेट लिए थे। गायकवाड़ ने 1975 से 1987 तक 40 टेस्ट और 15 वनडे मैचों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पेरिस ओलंपिक में भारत ने जीता एक और पदक

स्वप्निल कुसाले ने रचा इतिहास, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय

पेरिस।

स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में भारत को कांस्य पदक दिलाया है। यह इस ओलंपिक में शूटिंग में भारत को तीसरा पदक है। स्वप्निल से पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। वहीं, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में भी कांस्या अपने नाम किया था। स्वप्निल महिला या पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

स्वप्निल का पदक अप्रत्याशित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की दौड़ में नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौंकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राइफल थ्री पोजिशन में निशानेबाज तीन पोजिशन में निशाना लगाता है। इनमें नीलिंग यानी घुटने के बल बैठकर, प्रोन यानी पेट के बल लेटकर और स्टैंडिंग यानी खड़े खड़े शॉट लगाया जाता है। स्वप्निल नीलिंग और प्रोन तक पीछे चल रहे थे। हालांकि, स्टैंडिंग पोजिशन में स्वप्निल ने गजब का कमबैक किया और पदक अपने नाम किया।

स्वप्निल ने नीलिंग पोजिशन में 153.3 का स्कोर बनाया था। इसके बाद प्रोन पोजिशन में उनका कुल स्कोर 310.1 हो गया था। नीलिंग और प्रोन पोजिशन के बाद स्टैंडिंग पोजिशन में दो शॉट के बाद एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई। नीलिंग राउंड में स्वप्निल छठे स्थान और प्रोन पोजिशन के बाद भी पांचवें स्थान पर रहे थे।

हालांकि, जैसे ही एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई, स्वप्निल पहले पांचवें और फिर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पूरे एलिमिनेशन राउंड में स्वप्निल तीसरे स्थान पर रहे। वह दूसरे स्थान पर रहे शूटर यूक्रेन के सेरही से .5 अंक पीछे रह गए और रजत से चूक गए। स्वप्निल ने हालांकि, पदक जीतने के साथ भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। स्वप्निल का फाइनल स्कोर 451.4 का रहा। चीन के यूकुन लियू ने 463.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया, जबकि यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता।

पदक जीतने पर खुश हूं

ओलंपिक में भारत को तीसरा पदक दिलाने के बाद भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह भारत के कांस्य जीत सके। कांस्य पदक पर निशाना साधने के बाद कुसाले ने कहा, यह तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिए कांस्य पदक जीत सका। मैंने वही किया जो मैं इतने सालों से करता आ रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा, मेरे दिमाग में कुछ 'कीवर्ड' थे। मैंने बस अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर स्वप्निल कुसाले की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले की सराहना की। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। मंडाविया ने कहा कि कुसाले की उपलब्धि से देश गौरवान्वित होगा। मंडाविया ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई! इस स्पर्धा में ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय--आपकी उपलब्धि हमें अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित करती है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी चल रहे बहु-खेल आयोजन में स्वप्निल कुसाले के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। कुसाले ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। कुसाले पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बने। कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुषों के फाइनल में 451.4 के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता। उन्होंने कुल मिलाकर निशानेबाजी में भारत का तीसरा पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में, कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी जबकि तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे।

बीसीबी ने पाकिस्तान दौरे के लिए सरकार से सुरक्षा सलाहकार की मांग की

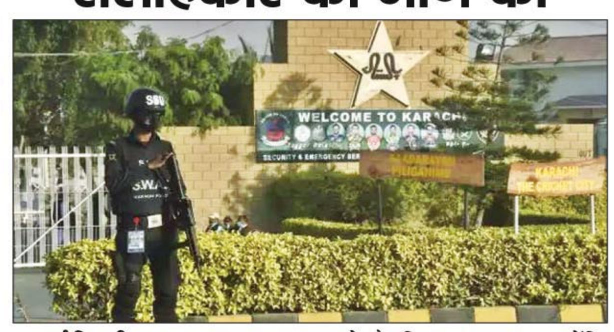

नई दिल्ली।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि वे आगामी पाकिस्तान दौरे के दौरान उन्हें सुरक्षा सलाहकार मुहैया कराएं।

बांग्लादेश, जो 17 अगस्त को पाकिस्तान की यात्रा करेगा, मेजबान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज, रावलपिंडी (21-25 अगस्त) और कराची (30 अगस्त-3 सितंबर) में खेलेगा, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए पाकिस्तान की यात्रा हमेशा चिंता का विषय रही है।

क्रिकबज के अनुसार, बीसीबी क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, देखिए, सुरक्षा प्रदान करना उनका (पाकिस्तान का) काम है और हम वहां इसलिए गए क्योंकि उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया था और जब उन्होंने हमें इस बारे में आश्वासन दिया, तो दौरा तय हो गया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में देखा होगा कि बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान गई थी और उन्होंने हमें राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की थी और हम इस दौरे पर जाने के लिए सहमत हुए क्योंकि उन्होंने हमें इसका आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा, आपने हाल के दिनों में देखा होगा कि कुछ अंतरराष्ट्रीय टीमें भी [पाकिस्तान] आई हैं और वे वहां उपलब्ध कराई गई सुरक्षा से काफी खुश हैं।

हम भी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं, लेकिन सब कुछ जानने और सुरक्षा के बारे में उनसे आश्वासन मिलने के बाद हमने दौरा तय किया है। साथ ही हमने सरकार से अनुरोध किया है कि वह हमें दौरे के दौरान एक सुरक्षा सलाहकार उपलब्ध कराए, जो सुरक्षा मुद्दों के बारे में हर समय उनसे संवाद बनाए रखेगा। जलाल ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को पाकिस्तान के आगामी दौरे पर कोई आपत्ति नहीं है।

पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश ए टीम दो चार दिवसीय मैचों और तीन 50 ओवर के मैचों के लिए इस्लामाबाद की यात्रा करेगी।

मुशफिकुर रहीम और मोमिनुल हक के साथ कई अन्य टेस्ट क्रिकेटरों को शुरुआती चार दिवसीय मैच के लिए शामिल किया गया था क्योंकि पर्यटक इसे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी का हिस्सा मानते हैं क्योंकि उन्हें 17 अगस्त को वहां पहुंचने के बाद टेस्ट से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलना है।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए पथिराना और मदुशंका

नई दिल्ली।

श्रीलंका के दो और तेज गेंदबाज मथिषा पथिराना और दिलशान मदुशंका भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए हैं। पथिराना को कंधे में और मदुशंका को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है।

श्रीलंका की टीम में दुष्मंथा चमीरा भी नहीं हैं, जो बीमारी के कारण बाहर हैं, और नुवान तुषारा भी नहीं हैं, जिनके अंगूठे में फ्रैक्चर है। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, फिलहाल श्रीलंका ने दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शिराज को टीम में शामिल किया है। दोपहर बाद श्रीलंका क्रिकेट की ओर से जारी बयान में पुष्टि की गई कि टीम में दूसरे अनकैप्ड दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इशान मलिंगा को शामिल किया गया है। इसके अलावा तीन खिलाड़ियों बल्लेबाज कुसल परेरा, तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन और स्पिनर जेफरी वेंडरसे को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

टीम मैनेजर महिंदा हालंगोडा ने कहा, मथीशा के कंधे में चोट लग गई है और चूंकि यह वही समस्या है जो पिछले साल विश्व कप के दौरान उन्हें हुई थी, इसलिए उन्होंने जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया है। पल्लेकेले में तीसरे टी20 मैच में फील्डिंग करते समय पथिराना को चोट लग गई थी और उस मैच में एक भी गेंद फेंकने से पहले ही वह मैदान छोड़कर चले गए थे। हालंगोडा ने कहा कि इस बीच मदुशंका को ट्रेनिंग के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। उन्होंने टी20 सीरीज में केवल एक मैच खेला था। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ सभी फॉर्मेट में अपने पिछले 10 मैच गंवाए हैं।

खत्म हुआ इंतजार, कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम-2' 26 दिसंबर को रिलीज होगी

नई दिल्ली। लोकप्रिय कोरियाई वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' का दूसरा सीजन जल्द ही आने वाला है। 'स्क्विड गेम' सीरीज़ का पहला सीज़न तीन साल पहले नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था। इस सीरीज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साथ ही इस थ्रिलर वेब सीरीज ने पूरी दुनिया में धूम मचा दी थी। पहले सीजन में 9 एपिसोड शामिल थे। अब पहले सीजन के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद दूसरा सीजन दर्शकों के सामने आ रहा है।

स्क्विड गेम के दूसरे सीजन की रिलीज डेट का गुरुवार को ऐलान हो गया है। स्क्विड गेम के फैंस को आज सुबह एक खास सरप्राइज दिया गया है। नेटफ्लिक्स ने टीजर जारी करके घोषणा की है कि इस साल वेब सीरीज स्क्विड गेम-2 26 दिसंबर को रिलीज होगी। अंतिम सीजन 2025 में रिलीज़ किया जाएगा।

कजाखस्तान में 8 सितंबर से शुरू होंगे विश्व घुमंतू खेल

नई दिल्ली।

कजाखस्तान 8 और 13 सितंबर को पांचवें विश्व घुमंतू खेलों की मेजबानी करेगा, जो मध्य एशिया के खानाबदोश लोगों की परंपराओं में निहित जातीय खेलों को प्रदर्शित करने वाला एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन है।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास के एक बयान के अनुसार, यह आयोजन जातीय-खेलों और जातीय-सांस्कृतिक आंदोलन को बढ़ावा देगा, उन्हें मानव सभ्यता के एक प्रमुख हिस्से के रूप में मनाएगा। लगभग 100 देशों के लगभग 2,500 प्रतिभागियों के खेलों में भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन में 100,000 से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

कजाखस्तान के पर्यटन और खेल मंत्रालय, यूनेस्को, तुर्किक राज्यों के संगठन और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित खेल, कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में 'द गैदरिंग ऑफ द ग्रेट स्टेप' के आदर्श वाक्य के तहत होंगे। प्रमुख खेल स्थलों पर 21 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें घुड़दौड़, राष्ट्रीय कुश्ती शैलियाँ, पारंपरिक बौद्धिक खेल, मार्शल आर्ट प्रतियोगिताएँ, पारंपरिक तीरंदाजी और लोक खेल शामिल हैं, जिनमें कुल 97 पदक प्रदान किए जाएँगे।

भारत में कजाखस्तान के दूतावास की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के हवाले से कहा गया, कजाखस्तान में होने वाले विश्व घुमंतू खेल एक प्रमुख आयोजन होंगे। ये राष्ट्रीय खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को लोकप्रिय बनाने तथा महान स्टेपी की खानाबदोश सभ्यता के उत्तराधिकारियों - भ्रातृ-जनों के बीच सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण हैं। विश्व घुमंतू खेलों की स्थापना दुनिया भर के खानाबदोश लोगों के पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए की गई थी। उद्घाटन खेल 2014 में किर्गिज़ गणराज्य के चोलपोन-अता में आयोजित किए गए थे और तब से ये एक प्रमुख द्विवार्षिक आयोजन बन गए हैं। 2016 और 2018 में किर्गिज़ गणराज्य द्वारा और 2022 में तुर्किये द्वारा भी खेलों की मेजबानी की गई थी।

प्रत्येक संस्करण में भागीदारी और मान्यता में वृद्धि देखी गई है, जो खानाबदोश संस्कृतियों की वैश्विक अपील को उजागर करती है। कजाखस्तान, खानाबदोश परंपराओं के साथ देश के ऐतिहासिक संबंधों के साथ-साथ एक्सपो 2017 जैसे अन्य प्रमुख आयोजनों की मेजबानी के अनुभव को देखते हुए इन खेलों की मेजबानी के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

पांचवें विश्व खानाबदोश खेलों की मेजबानी करके, कजाखस्तान का उद्देश्य खानाबदोश लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और उसे संरक्षित करना, अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करना है।

पेरिस ओलंपिक में निराश कर रहे भारतीय खिलाड़ी

बेल्जियम ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 1-2 से हराया

पेरिस।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में पहली हार का सामना करना पड़ा। गुरुवार को गत चैंपियन बेल्जियम ने पूल बी मैच में भारत को 2-1 से शिकस्त दी।

भारतीय टीम ने मैच के 18वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब आर्थर डी स्लोवर की गलती का फायदा उठाते हुए अभिषेक ने गोल किया। हालाँकि, 33वें मिनट में थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस गोल के ग्यारह मिनट बाद, जॉन-जॉन डोहमेन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बेल्जियम की बढ़त 2-1 कर दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। भारत चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम चार जीत के साथ शीर्ष पर है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने अपने अभियान के पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया, इससे पहले अर्जेंटीना ने उसे 1-1 से ड्रॉ पर रोका था। अपने पिछले मैच में, मेन इन ब्लू ने आयरलैंड को 2-0 से हराया था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और शुक्रवार को भारतीय समयानुसार शाम 4.45 बजे पूल बी के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भी निराशा

भारतीय धावक विकास सिंह ने गुरुवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में 1.22.36 का समय निकालकर 30वां स्थान हासिल किया।

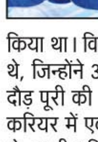

अपने सराहनीय प्रयास के बावजूद, इस स्पर्धा में तीन भारतीय एथलीटों में सबसे तेज विकास पदक हासिल नहीं कर सके। 28 वर्षीय विकास ने इससे पहले पिछले साल एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। विकास के साथ दौड़ में परमजीत सिंह बिष्ट भी शामिल थे, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया। परमजीत ने 1.23.48 में दौड़ पूरी की और 37वें स्थान पर रहे। उन्होंने अपने एथलेटिक करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह को झटका लगा, क्योंकि वह केवल 6 किलोमीटर की दूरी पूरी करने के बाद दौड़ से बाहर हो गए, जिससे वह स्पर्धा पूरी नहीं कर पाए।

भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन भी हारीं

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निखत ज़रीन गुरुवार को नॉर्थ पेरिस एरिना में पेरिस 2024 ओलंपिक की महिलाओं की 50 किग्रा मुक्केबाजी के राउंड ऑफ 16 में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वू यू से 0-5 से हार गईं।

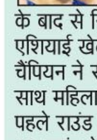

वू ने पहला राउंड 4-1 से जीता, जिसमें पाँच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फ़ैसला सुनाया। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज की और तीसरे राउंड में भी शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले से पहले, दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने 2022 के बाद से सिर्फ़ दो मुकाबले हारे थे। वह राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भी हैं। इससे पहले, दो बार की विश्व चैंपियन ने रविवार को जर्मनी की मैक्सी कैरिना क्लोएत्ज़र पर शानदार जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पहले राउंड के बाद तीन कार्ड से पिछड़ने के बाद, निखत ने नॉर्थ पेरिस एरिना में 32 राउंड के मुकाबले में जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीत हासिल की थी। गैर वरीयता प्राप्त ज़रीन को पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उन्हें कड़ा ड्रॉ मिला था।

एंटीबायोटिक के सेवन से बच्चों में एक्जिमा का खतरा

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में होने वाले किसी भी तरह के बैक्टीरियल इंफेक्शन को आगे फैलने से रोकती है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके सही तरीके से सेवन करते हैं। यहां तक कि बच्चे को वायरल इन्फेक्शन में भी एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देने से आगे चलकर उनमें एक्जिमा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक अध्ययन के नतीजों में शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन बच्चों को दो साल की उम्र से पहले एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती है, उन्हें बड़े होने पर एक्जिमा होने का 41 प्रतिशत से 56 प्रतिशत तक ज्यादा खतरा होता है। एक्जिमा त्वचा में दर्दयुक्त एलर्जी से जुड़ी बीमारी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि बच्चों को काफी कम उम्र में एंटीबायोटिक देने से उनके पेट में कुदरती तौर पर मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इस स्थिति में उनका प्रतिरक्षा तंत्र हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं से प्रभावी तरीके से निपटने में नाकाम हो जाता है। ऐसे बच्चे जब फूलों के पराग जैसे किसी अपेक्षाकृत हानिरहित बाहरी पदार्थ के संपर्क में आते हैं, तब उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिससे एलर्जी शुरू हो जाती है।

अपेंडिक्स के बारे में जरूरी बातें

अपेंडिक्स का दर्द काफी दर्दनाक होता है क्योंकि इस समस्या के दौरान डॉक्टरों के लिए भी ये पता लगाना मुश्किल होता है कि ये अपेंडिक्स का दर्द है या किसी और का। डॉक्टर कहते हैं कि सामान्य तौर पर अपेंडिक्स का इलाज सर्जिकल होता है लेकिन मरीज को शुरुआती समय में ही अच्छा एंटीबायोटिक देने और पूरा आराम देने पर भी अच्छा परिणाम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक उत्पाद भी हो सकते हैं जहरीले

क्या आप नैचुरल प्रोडक्ट खरीदने के लिए अपना एक्स्ट्रा समय और एक्स्ट्रा पैसे खर्च करते हैं? ऑर्गेनिक शेम्पू ऑर्गेनिक टूथपेस्ट बोटेनिकल शेम्पू हर्बल फेशवॉश? आदि ऐसे ही कई हर्बल प्रोडक्ट खरीदने में अपना समय बिताते हैं और सोचते हैं कि इससे तो आप नुकसानदायक और दुष्प्रभावी कीटाणुओं से बच जाएंगे। लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि हर वो चीज, जिस पर सेफ और नैचुरल का टैग लिखा होता है, जरूरी नहीं की सुरक्षित हो। फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कहता है कि इस तरह के टैग, जैसे की नैचुरल, सेफ, रिकमेंडेड और टेस्टेड , पूरी तरह से मार्केटिंग के शब्द है जिसका मतलब होता है कुछ भी या कुछ भी नहीं। साधारण सी बात है कि इन प्रोडक्ट को बनाने वालों को ऐसा दावा करने के लिए किसी भी प्रूफ की जरूरत नहीं होती। बल्कि इन शब्दों से उनकी बिक्री ही बढ़ती है जिस कारण इन शब्दों का इस्तेमाल आजकल हर प्रोडक्ट में किया जाता है।

निजी केयर प्रोडक्ट: निजी केयर प्रोडक्ट जैसे की शेम्पू, शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट आदि अन्य मेकअप के सामान कॉस्मेटिक में आते हैं। कॉस्मेटिक शब्द का मतलब हम समझते हैं हेल्दी और हाईजीन प्रोडक्ट। जबकि फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) इनको रेग्युलेट नहीं करती और ना ही इन प्रोडक्ट को ऐसा कोई लेबल देती है। एफडीए कहता है कि कटस्मेटिक बनाने वाली कंपनी किसी भी तरह की सामग्री या कच्चा मटेरियल इस्तेमाल करती है। और इन बने हुए प्रोडक्ट को बिना किसी सरकारी अप्रूवल के बेचती है।

ऐसे में आब आपके दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि फिर इन्हें खरीदने लायक सुरक्षित होने का अफवाह कौन उड़ाता होगा?

89% सामग्री सुरक्षित नहीं: कॉस्मेटिक इंग्रिडियेंट रिव्यु (सीआईआर) पेनल वर्तमान में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का चार्ज ली हुई है। एनवायरमेंटल वर्किंग ग्रुप ने पाया है कि पर्सन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में जो 10,500 तरह के इंग्रिडियेंट मिले होते हैं उनमें से में 89% इंग्रिडियेंट को सीआईआर और एफडीए से कोई अप्रूवल नहीं मिला होता। यहां तक की इन प्रोडक्ट में मिले इन इंग्रिडियेंट को किसी भी तरह की सार्वजनिक एकाउंटेबल इंस्टिट्यूशन से भी प्रमाणित नहीं किया गया है।

फेयरनेस क्रीम्स: अब सबसे सामान्य कॉस्मेटिक के तौर पर किसी फेयरनेस क्रीम को ही लें। अब तो कई डर्मटॉलजिस्ट भी कह चुके हैं कि इन प्रोडक्ड्स में ब्लीच का इस्तेमाल किया गया होता है जिसके कारण ये इंसान को गोरा लुक प्रदान करते हैं। ये सच भी है। ज्यादा पिंग्मेंटेशन की समस्या है इन क्रीम से तभी ठीक होती है जब इसमें ज्यादा कैमिकल मौजूद होते हैं। लेकिन ये केमिकल्स हमारी स्किन को अंदर तक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा ही शेम्पू के साथ है। केमिकल्स से भरे ये शैम्पू बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

कई प्रोडक्ट्स से होता है ब्रेस्ट कैंसर: कई कॉस्मेटिक उत्पादों से ब्रसेट् कैंसर की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। हाल ही में बर्कले की यूनीवर्सिटी ऑफ कैलोफोर्निया के एक रिसर्चर ने ये बात कही की अधिकतर कॉस्मेटिक्स में पैराबेन मौजूद होते हैं जो औरतों के शरीर के उन हार्मोन्स को एक्टिवेट कर देता है, जिनका ताल्लुक ब्रेस्ट कैंसर से होता है। इस स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि और इसे लेकर चिंता भी जाहिर की गई कि लंबे समय तक इन पैराबेन का हमारी बॉडी से कॉन्टेक्ट प्यूबर्टी और प्रेग्नेसी के दौरान नुकसान पहुंचाते हैं।

पेट के घाव भी भर जाते हैं

शक्कर से पचास गुना ज्यादा मीठी मुलेठी...

गले में खराश हो या खांसी, मुलेठी चूसने से इसमें राहत मिलती है। इसके अलावा भी मुलेठी में कई ऐसे गुण हैं, जो शायद आप पहले नहीं जानते होंगे। जानिए मुलेठी आपको किस प्रकार लाभ पहुंचा सकती है। मुलेठी बहुत गुणकारी औषधि है। मुलेठी के प्रयोग करने से न सिर्फ आमाशय के विकार बल्कि गैस्ट्रिक अल्सर के लिए फायदेमंद है। इसका पौधा 1 से 6 फुट तक होता है। यह स्वाद में मीठी होती है इसलिए इसे यष्टिमधु भी कहा जाता है। असली मुलेठी अंदर से पीली, रेशेदार एवं हल्की गंधवाली होती है। सूखने पर इसका स्वाद अम्लीय हो जाता है।

मुलेठी की जड़ को उखाड़ने के बाद दो वर्ष तक उसमें औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। इसका औषधि के रूप में प्रयोग बहुत पहले से होता आया है। मुलेठी पेट के रोग, सांस संबंधी रोग, स्तन रोग, योनिगत रोगों को दूर करती है। ताजी मुलेठी में पचास प्रतिशत जल होता है, जो सुखाने पर मात्र दस प्रतिशत ही शेष रह जाता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद साधारण शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। आइए हम आपको मुलेठी के गुणों के बारे में बताते हैं।

मुलेठी के गुण

मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ ढीला होता है। सूखी खांसी आने पर मुलेठी खाने से फायदा होता है। इससे खांसी तथा गले की सूजन ठीक होती है। अगर मुंह सूख रहा हो तो मुलेठी बहुत फायदा करती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें। इससे प्यास शांत होगी। गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। मुलेठी अच्छे स्वर के लिए भी प्रयोग की जाती है। मुलेठी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। मुलेठी की जड़ पेट के घावों को समाप्त करती है, इससे पेट के घाव जल्दी भर जाते हैं। पेट के घाव होने पर मुलेठी की जड़ का चूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। मुलेठी पेट के अल्सर के लिए फायदेमंद है। इससे न केवल गैस्ट्रिक अल्सर वरन छोटी आंत के प्रारम्भिक भाग ड्यूओडनल अल्सर में भी पूरी तरह से फायदा करती है। जब मुलेठी का चूर्ण ड्यूओडनल अल्सर के अपच, हाइपर एसिडिटी आदि पर लाभदायक प्रभाव डालता है। साथ ही अल्सर के घावों को भी तेजी से भरता है। खून की उल्टियां होने पर दूध के साथ मुलेठी का चूर्ण लेने से फायदा होता है। खूनी उल्टी होने पर मधु के साथ भी इसे लिया जा सकता है। हिचकी होने पर मुलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर नाक में टपकाने तथा पांच ग्राम चूर्ण को पानी के साथ खिला देने से लाभ होता है। मुलेठी आंतों की टीबी के लिए भी फायदेमंद है।

आखिर क्यों फड़कतीं है हमारी आंखें ?

कई बार अचानक हमारी आंख फड़कने लग जाती है। आंख फड़कने पर हमारे दिमाग में कई ख्याल आते है। आंख फड़कने को भारत में कई जगहों पर शुभ-अशुभ से जोड़कर कर भी देखा जाता है। कई बार तो आंख इतनी फड़कती है कि हम परेशान हो जाते है लेकिन क्या आप जानते है कि आंख क्यों फड़कती है? अगर नहीं तो हम आज आपको इसका कारण बताते है।

आंख फड़कना आम लक्षण होता है। इसमें आंखों के आस-पास की मांसपेशियां खुद संकुचित होती है, जिससे उलझन और परेशानी तो काफी होती है लेकिन कोई नुकसान नहीं होता। आंख फड़कने के कहीं कारण है आइए जानें इन कारणों के बारे में...

कैसे करें आंख फड़कना बंद

आंख फड़कना बंद करने के लिए हाइड्रेटेड बने रहें। ज्यादा से ज्यादा नींद लें। आंखों के फड़कने को रोकने के लिए आंखों की मसाज करें। पलकों को 30 सेकेण्ड्स तक झपकाएं। यदि आंखों का फड़कना एक सप्ताह से अधिक तक रहे तो आंखों के डाक्टर से मिलें।

आंख फड़कने के कारण

1. थकान और तनाव के कारण भी आंख फड़कती है। तनाव के कम करके आंख का फड़कना रोका जा सकता है। नींद न पूरी होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।
2. शराब भी आंख फड़कने का कारण हो सकती है। अगर आप शराब का सेवन अधिक करते है तो आपको यह परेशानी हो सकती है।
3. कम रोशनी में काम करने या देर तक कम्प्यूटर पर काम करने आदि से भी ये परेशानी हो सकती है।

लौंग की चाय पीने के अद्भुत फायदे

चाय हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कि दिन भी शुरुआत करने का एक जोरदार तरीका है। अगर आप वहीं ग्रीन टी या ब्लैक टी पी कर बोर हो चुके हैं, तो एक बार लौंग की चाय ट्राई कर के देखिए। लौंग तो हर घर के किचन में मौजूद होता है, तो अगर आपको अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर करनी है तो लौंग की चाय पीना ना भूलें। लेनिक आइये जान लेते हैं कि इसे बनाया कैसे जाता है- 1 चम्मच लौंग को दरदरा पीस लें। फिर इस पावडर को 1 कप पानी में डाल कर 5-10 मिनट तक उबालें। जब यह उबलना शुरु हो जाए तब इसमें आधा चम्मच टी पावडर मिला कर कुछ मिनटों तक पकाएं। फिर पानी को छान कर हल्का ठंडा कर के पिएं। आप इसे स्टोर कर के रेफ्रिजिरेटर में भी रख सकते हैं। मसूड़ों और दांतों के दर्द से छुटकारा दिलाए अगर मसूड़ों और दांतों में दर्द हो तो गरम लौंग की चाय से कुल्ला करें। इससे मुंह में जमे बैक्टीरिया का खात्मा होगा और झट से आराम मिलेगा। साइनस इंफेक्शन दूर करे सीने में जकड़न या साइनस की समस्या में आप 1 कप गरम लौंग की चाय को सुबह पी सकते हैं। इससे कफ साफ होता है तथा शरीर गर्म होता है।

लौंग की चाय में मैगनीशियम और विटामिन ई और के होते हैं, जो कि जो कि बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत दिलाते हैं। इसको पीने से शरीर का तापमान कम होता है तथा इम्यूनिटी बढ़ती है। पाचन शक्ति मजबूत बने लंच या डिनर के पहले 1 कप लौंग की चाय पीने से शरीर में खून का फ्लो अच्छा होता है तथा मुंह में लार बनने लगती है जो कि खाने को हजम करने में सहायक होती है। यह एसिडिटी और पेट के दर्द से भी आराम दिलाता है। आंत के परजीवी मारता है लौंग की चाय में **anti-inflammatory** कम्पाउंड होता है, जो शरीर से परजीवी को हटाने का काम करता है। इससे पेट दर्द तथा डायरिया ठीक होता है। गठिया दर्द ठीक करता है अगर आपको गठिया से जुड़ा दर्द है तो आप आई कोल्ड लौंग की चाय से आराम मिल सकता है। लौंग काफी पावर फुल होती है इसलिए दर्द वाले स्थान पर लौंग की चाय के पानी से दिन में 2 या 3 बार 20 मिनट के लिए सिकाई कर सकते हैं। इससे जोड़ों का दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजुरी में लाभ मिलेगा। स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाए यह आपको कई तरह की स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाएगा। लौंग की चाय में ऐसा तेल पाया जाता है जो शरीर से टॉक्सिन निकालता है। अगर इसे किसी घाव पर ऊपर से लगाया जाए तो वह जल्दी ठीक हो जाता है। यह फंगल इंफेक्शन तथा दाद से भी छुटकारा दिलाता है।

खास देखभाल के साथ ही चाहिए संतुलित डाइट

बच्चों की डायबिटीज को कर सकते हैं मैनेज

गड़बड़ाती दिनचर्या और खान-पान की वजह से डायबिटीज यानि मधुमेह अब आम होता जा रहा है, लेकिन इस रोग ने अब अपनी गिरफ्त में बच्चों को भी लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में बच्चों में मधुमेह का पता चलते ही पालकों को उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं किस तरह से मधुमेह से ग्रस्त बच्चों का ख्याल रखें।

दर्द रहित और सुरक्षित भी...

बच्चों में डायबिटीज होने पर इंसुलिन पंप थैरेपी के जरिए उनका उपचार किया जा सकता है। ये थैरेपी दर्दरहित व सुरिक्षत है। इसे किसी भी उम्र के बच्चों को देने के लिए कहा जाता है क्योंकि इस उम्र में इंजेक्शन सही विकल्प नहीं है। इसी वजह से टाइम मैग्जीन ने इसे 2013 का सबसे बेहतरीन तकनीकी आविष्कार माना है। भारत में डायबिटीज के रोगियों में 5 फीसदी बच्चे भी शामिल हैं। पारंपरिक इंसुलिन इंजेक्शन लेने के मुकाबले ये थैरेपी ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मददगार होती है। यह उपकरण एक कम्प्यूटराइज्ड यंत्र है जो मोबाइल जैसा होता है और जिसमें फौरन इंसुलिन भरकर डाल दिया जाता है।

इंसुलिन से ज्यादा बेहतर...

बच्चे सुई चुभने के डर से कई बार इंजेक्शन नहीं लगवाते। इस समस्या का समाधान इंसुलिन पंप थैरेपी है। इस थैरेपी में मुख्य तौर पर इंसुलिन पंप इस्तेमाल होता है, जो एक छोटा उपकरण है। इसे बाहर से पहना जाता है या मोबाइल की तरह टांगा जा सकता है। ये रोगी के शरीर की जरूरत के अनुसार इंसुलिन की सटीक डोज देता रहता है। इंसुलिन के छोटे-छोटे लगातार डोज से रोगी का शरीर सामान्य तौर पर काम करता रहता है। इंसुलिन पंप थैरेपी ने हाइपोग्लेसिमिया यानि ब्लड शुगर में कमी को काफी हद तक कम किया है।

लिवर ट्रांसप्लांट कराने में अब नहीं ब्लड ग्रुप की चिंता

लीवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए अब एक समान ब्लड ग्रुप का डोनर होना जरुरी नहीं अगर आप भी लिवर के मरीज हैं अगर आपको भी अपने ब्लडग्रुप का डोनर नहीं मिल रहा है तो अब आप को घबराने की जरूरत नहीं, क्योंकि मेडिकल साइंस की इस सफलता से लिवर के मरीजों को फायदा होगा जो एक जैसा ब्लडग्रुप वाला डोनर न मिलने के कारण दम तोड़ देते थे।

अब 15 लाख रुपए का खर्च

पहले लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से डोनर आसानी से मिल जाता है और अब डॉक्टर्स ने अलग-अलग ब्लड ग्रुप के डोनर से भी लिवर के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट तकनीक का आविष्कार किया है। दिल्ली सरकार के लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान में हाल ही में दो मरीजों को बेमेल डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आइएलबीएस में लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए पहले साढ़े ग्यारह लाख रुपए खर्च करने पड़ते थे, लेकिन इस नई तकनीक के आने के कारण अब साढ़े पंद्रह लाख रुपए खर्च आएगा।

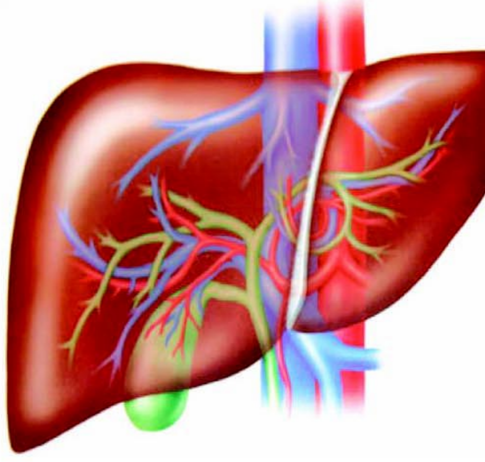

बेहतर होती है गुणवत्ता

आइएलबीएस के मुख्य लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. वी. पामेचा के अनुसार इस तकनीक से पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है और लिवर ट्रांसप्लांट करने से पहले मरीज और डोनर के रक्त में भिन्नता देखी जाती है और फिर मशीन की मदद से मरीज के रक्त को साफ किया जाता है और डोनर के रक्त की गुणवत्ता को एक तरह से बेहतर किया जाता है। इसके बाद मरीज को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

रेसिपी

मल्टीग्रेन ढ़ेबरा

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 1/2 टेबल-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 20 भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच रखकर, थपथपाते हुए 50 मिमी। (2) व्यास के गोल और 1 मोटे गोल आकार में बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े ढ़ेबरे डालकर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। ताजे दही के साथ गरमा गरम परोसें।

चट-पटा पाव

सामग्री

6 लाड़ी पाव, 6 टी-स्पून मक्खन, **मसाला के लिए:** 2 टेबल-स्पून मक्खन, 3/4 कप बारीक कटा प्याज, 1/4 कप बारीक कटी शिमला मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून काला नमक, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नींबू

विधि

मसाला के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। लहसुन, टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। काला नमक और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। मसाले को 6 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक नॉन-स्टिक तवे में 1 टी-स्पून मक्खन गरम करें, तैयार मसाले के एक भाग को डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। एक पाव को 2 भाग में काटें और खोलकर तवे पर रखे मसाले पर रखें। मसाले को पाव में अच्छी तरह फैला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट या मसाले को पाव से चिपकने तक पका लें। विधी क्रमांक 1 से 3 को दोहराकर 5 और चट्पटा पाव बना लें। धनिया से सजाएं और नींबू के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**